■ भाद्रपद शुक्ल - 14 ■ संवत 2080 ■ वर्ष - 19 ■ अंक - 66 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » गुरुवार » 28-09-2023 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 दुनिया में विकास की भावना का पोषक है भारत : योगी

6 इंडि अलायंस : लोकसभा में दोस्ती की बातें, विधानसभा में बैर

7 'ट्रंप ने रियल एस्टेट कारोबार खड़ा करते समय बरसों बरस धोखाधड़ी की'

फर्स्ट टेक

चीन में मंकीपॉक्स का पहला मामला

मकाओ/वार्ता। चीन के विशेष प्रशासनिक क्षेत्र (एसएआर) मकाओ में मंकीपॉक्स का पहला मामला दर्ज किया गया है, जिससे उच्च जोखिम वाले निवासियों से इस बीमारी के खिलाफ टीका लगवाने का आग्रह किया गया है।मकाओ एसएआर सरकार के स्वास्थ्य ब्यूरो ने मंगलवार देर रात कहा कि मकाओ निवासी एक युवक (29) मंकीपॉक्स की चपेट में है। उसने हाल ही में हांगकांग एसएआर और मकाओ के पड़ोसी मुख्य शहर झुहाई की यात्रा की है। ब्यूरो ने कहा कि व्यक्ति की हालत अभी स्थिर है और स्थानीय अस्पताल में उसका इलाज जारी है। ब्यूरो ने बीमारी से बचने के लिए तुरंत चिकित्सा उपचार लेने का आह्वान किया।

अल्बर्ट आइंस्टीन के हस्ताक्षर वाली पाण्डुलिपि 10.70 करोड़ में बिकी

नई दिल्ली/भाषा। भौतिक विज्ञानी अल्बर्ट आइंस्टीन के हस्ताक्षर वाली एक दुर्लभ पाण्डुलिपि की नीलामी 10.70 करोड़ रुपये में हुई। इस पाण्डुलिपि में अल्बर्ट आइंस्टीन द्वारा विशेष सापेक्षता के सिद्धांत (1905) और सामान्य सापेक्षता (1915) समेत विज्ञान में उनके प्रसिद्ध योगदान के विकास यात्रा का उल्लेख किया गया है। यह नीलामी 23 सितंबर को चीन के वाल्डोर्फ एस्टोरिया शंघाई में आयोजित की गई थी। यह पाण्डुलिपि पहली बार तीन फरवरी, 1929 को न्यूयॉर्क टाइम्स के एक विशेष पूरक में प्रकाशित हुई थी, 14 पृष्ठों वाली यह पाण्डुलिपि जर्मन भाषा में लिखी गई है। आइंस्टीन को विज्ञान में उनके दो सबसे प्रसिद्ध योगदानों विशेष सापेक्षता के सिद्धांत (1905) और सामान्य सापेक्षता के सिद्धांत (1915) के लिए जाना जाता है।

गूगल भारत में भूकंप 'अलर्ट' सेवा करेगी शुरू

नई दिल्ली/भाषा। इंटरनेट सर्च इंजन कंपनी गूगल भारत में एक भूकंप अलर्ट (चेतावनी) सेवा शुरू करेगी। यह सेवा एंड्रॉयड स्मार्टफोन में सेंसर का उपयोग करके भूकंप का अनुमान और उसकी तीव्रता का पता लगाने का काम करेगी। कंपनी ने बुधवार को यह जानकारी दी। गूगल ने राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) और राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनएससी) के परामर्श के साथ भारत में 'एंड्रॉयड भूकंप अलर्ट सिस्टम' पेश किया है। कंपनी ने एक ब्लॉग में कहा, ''(एनडीएमए) और एनएससी के परामर्श के साथ आज हम भारत में एंड्रॉयड भूकंप अलर्ट प्रणाली पेश कर रहे हैं। इसके जरिये हमारी कोशिश एंड्रॉयड उपयोगकर्ताओं को उनके क्षेत्र में भूकंप आने की स्वचालित शुरुआती चेतावनी देना है।''

सूर्यास्त 28-09-2023	सूर्योदय 29-09-2023
6:12 बजे	6:08 बजे

BSE	NSE
66,118.69 (+173.22)	19,716.45 (+51.75)

सोना	चांदी
6,161 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	74,997 रु. प्रति किलो

भारत जल्द ही दुनिया की आर्थिक महाशक्ति के रूप में उभरेगा : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अहमदाबाद/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को कहा कि उनका लक्ष्य भारत को वैश्विक विकास का इंजन बनाना है। साथ ही उन्होंने दावा किया कि देश जल्द ही दुनिया की आर्थिक महाशक्ति के रूप में उभरेगा। 'वाइब्रेंट गुजरात शिखर सम्मेलन' के 20 साल पूरे होने के मौके पर आयोजित एक कार्यक्रम में मोदी ने कहा कि उन्होंने 20 साल पहले 'वाइब्रेंट गुजरात' के छोटे-छोटे बीज बोए थे और आज यह एक बड़े पेड़ के रूप में विकसित हो गया है।

प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि वाइब्रेंट गुजरात ऐसे समय में सफल हुआ जब तत्कालीन केंद्र सरकार (पूर्ववर्ती संप्रग सरकार) राज्य की औद्योगिक प्रगति के प्रति 'उदासीन' थी। उन्होंने कहा, ''हमने राज्य को भारत का विकास इंजन बनाने के लिए वाइब्रेंट गुजरात का आयोजन किया। देश ने इस कल्पना को साकार होते देखा। वर्ष 2014 में जब मुझे देश की बागडोर सौंपी गई तो मेरा लक्ष्य भारत को वैश्विक वृद्धि का इंजन बनाना था।''

इस कार्यक्रम में गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत, मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की राज्य इकाई के अध्यक्ष सी आर पाटिल भी मौजूद थे। उन्होंने कहा कि देश ऐसे मोड़ पर खड़ा है कि वह जल्द ही वैश्विक आर्थिक महाशक्ति के रूप में उभरेगा।

उन्होंने कहा कि वैश्विक एजेंसियां और विशेषज्ञ भी इस बात के संकेत दे रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा, ''यह मोदी की गारंटी है कि अब से कुछ वर्षों में, आपकी आंखों के सामने, भारत दुनिया की शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में से एक होगा।'' उन्होंने देश के उद्योग जगत से अपील की कि वे उन क्षेत्रों के बारे में सोचें जहां भारत नई संभावनाएं तलाश सकता है या खुद को मजबूत कर सकता है और कैसे वाइब्रेंट गुजरात इस मिशन को गति दे सकता है।

विपक्ष ने तीन दशक तक महिला आरक्षण विधेयक रोके रखा : प्रधानमंत्री

वडोदरा/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को आरोप लगाया कि विपक्षी दलों ने महिला आरक्षण विधेयक को तीन दशकों तक 'रोका', और अब जब विधेयक पारित हो गया है तो वे महिलाओं को जाति और धर्म के आधार पर विभाजित करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि विपक्षी नेताओं ने यह सुनिश्चित करने के लिए अतीत में मैच फिक्सिंग की थी कि विधेयक को संसद की मंजूरी नहीं मिले, इसलिए महिलाओं को उनसे सावधान रहना चाहिए। मोदी ने संसद के दोनों सदनों में विधेयक पारित होने के लिए यहां सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी द्वारा धन्यवाद देने के लिए आयोजित कार्यक्रम में यह बात कही, जिसमें हजारों महिलाओं ने भाग लिया। उन्होंने कहा, इस गलतफहमी में मत रहिए कि उन्होंने (विपक्ष ने) अपना रवैया बदल लिया है। उन्होंने विधेयक का समर्थन किया है क्योंकि वे आपसे डरते हैं।

गांवों तक पहुंचाई जाएं उत्कृष्ट बुनियादी सुविधाएं : राष्ट्रपति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंदौर (मध्यप्रदेश)/भाषा। देश के शहरों पर आबादी के बोझ में लगातार इजाफे का हवाला देते हुए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को कहा कि इस दबाव को कम करने के लिए गांवों में शहरों की तर्ज पर उत्कृष्ट बुनियादी सुविधाएं पहुंचाई जानी चाहिए।

मुर्मू ने इंदौर में इंडिया स्मार्ट सिटीज कॉन्क्लेव 2023 में कहा,मैं देशवासियों के हित में सुझाव देना चाहूंगी कि ग्रामीण क्षेत्रों में भी शहरों की तरह स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्रों में उत्कृष्ट बुनियादी सुविधाएं प्रदान की जानी चाहिए। ऐसा करने से शहरों पर दबाव कम होगा और ग्रामीण जनता का जीवन बेहतर होगा। राष्ट्रपति ने बताया कि वर्ष 2047 तक भारत की शहरी आबादी 40 करोड़ के मौजूदा स्तर से बढ़कर 87 करोड़ से अधिक होने का अनुमान जताया गया है यानी करीब ढाई दशक बाद 50 प्रतिशत से अधिक देशवासी शहरी क्षेत्रों में रहेंगे।

उन्होंने कहा कि ये आंकड़े इशारा करते हैं कि शहरों और नगरवासियों की बढ़ती आकांक्षाओं और जरूरतों के मद्देनजर भविष्य का रोडमैप तैयार करके आगे बढ़ने की जरूरत है।

राष्ट्रपति ने यह भी कहा कि नगर नियोजन में जलवायु परिवर्तन, हरित ईंधनों के इस्तेमाल और सतत विकास लक्ष्यों को हासिल करने के क्षेत्रों में अपेक्षाकृत व्यापक स्तर पर काम किए जाने की आवश्यकता है। उन्होंने शहरी विकास में तेजी से बढ़ते भारतीय निवेश का हवाला देते हुए कहा कि उत्कृष्ट कार्यों को लागू करने और व्यावहारिक कारोबारी मॉडल विकसित करने में स्मार्ट सिटी परियोजना का बेहद महत्वपूर्ण योगदान है।

राष्ट्रपति ने कहा कि जी20 के उप समूह अर्बन 20 ने शहरों के बीच जुड़ाव की स्थायी व्यवस्था स्थापित करने का प्रयास किया और इसके माध्यम से सामूहिक संदेश दिया गया है कि सतत विकास की प्राथमिकता को आगे बढ़ाने में शहरी प्रबंधन की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा,हमें विश्व के सबसे बेहतर प्रबंधन वाले शहरों के उत्कृष्ट कार्यों और कारोबारी मॉडलों से सीख लेनी चाहिए और अपने सफल प्रयासों को अन्य देशों के साथ साझा भी करना चाहिए।

हरी झंडी

रक्षा और पर्यटन राज्य मंत्री, अजय भट्ट ने बुधवार को नई दिल्ली में विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर मिशन लाइफ के तहत जीवन के लिए यात्रा के संकल्पों से भरी दिल्ली मेट्रो को हरी झंडी दिखाई।

अंग दान करना, जैव विविधता की रक्षा करना एक तरह की देशभक्ति : भागवत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

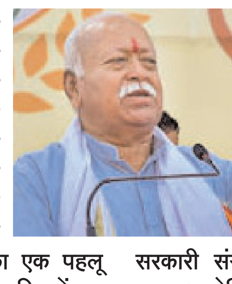

चेन्नई। सूरत/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने बुधवार को कहा कि देश की जैव विविधता और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के साथ-साथ अंग दान करना एक तरह की देशभक्ति है।

गुजरात के सूरत में एक सभा को संबोधित करते हुए भागवत ने कहा, ''मानव शरीर का उपयोग जीना और दूसरों के लिए मरना है।'' उन्होंने कहा कि देश में कई लोग इसलिए परेशान होते हैं क्योंकि पैसा खर्च करने के बावजूद उन्हें वर्षों तक स्वस्थ अंग नहीं मिल पाते हैं। भागवत ने कहा, ''एक स्वतंत्र देश में, देशभक्ति का एक पहलू सार्वजनिक जीवन के नियमों का पालन करना है...कानून का उल्लंघन नहीं करना या इसे अपने हाथ में नहीं लेना और लोकतांत्रिक तरीके से अपनी शिकायतों को व्यक्त करना है। हालांकि दूसरा पहलू देश के हर किसी के दर्द को साझा करना है क्योंकि वे सभी हमारे अपने हैं।''

वह अंगदान के क्षेत्र में काम करने वाले एक गैर सरकारी संगठन 'डोनेट लाइफ' द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में लोगों को संबोधित कर रहे थे। भागवत ने सवाल किया, ''इसलिए, अंगदान देशभक्ति का काम है, देशभक्ति का एक रूप है। यदि मैं अपने अंग उन लोगों को दान करने का फैसला करता हूं जिनका जीवन प्रभावित है क्योंकि उनके अंगों ने काम करना बंद कर दिया है, तो उन्हें दान क्यों न करूं क्योंकि मैं अब अधिक समय तक जीवित नहीं रहूंगा?''

भागवत ने कहा, ''यदि हम 'ब्रेन-डेड' स्थिति में रहते हैं, और हमारे अन्य अंग सामान्य रूप से काम कर रहे हैं। तो ऐसे अंगों का उपयोग अन्य जीवित मनुष्यों के लिए करना हमारा मानव धर्म है।'' उन्होंने कहा कि अपना स्वयं दान करने से वह व्यक्ति भगवान बन जाता है।

आतंकी-गैंगस्टर-तस्कर गठजोड़ पर एनआईए की कार्रवाई, कई राज्यों में छापेमारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने बुधवार को आतंकवादियों, गैंगस्टरों और मादक पदार्थ के तस्करों के गठजोड़ पर कई राज्यों में व्यापक कार्रवाई के दौरान कई संदिग्धों को हिरासत में लिया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। संघीय एजेंसी के एक प्रवक्ता ने कहा कि ये छापे एक सूचीबद्ध आतंकवादी अर्श डल्ला के सहयोगियों और कई खूंखार गैंगस्टरों के खिलाफ मामलों से संबंधित हैं।

संघीय एजेंसी के एक प्रवक्ता ने कहा, संबंधित राज्य पुलिस बल ने पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश और केंद्र शासित प्रदेशों दिल्ली और चंडीगढ़ में 53 स्थानों पर की गई दिन भर की छापेमारी में आवश्यक सहायता प्रदान की।

अधिकारी ने कहा कि आतंकवादी-गैंगस्टर-तस्कर गठजोड़ को खत्म करने के उद्देश्य से की गई छापेमारी के दौरान पिस्तौल, गोला-बारूद, बड़ी संख्या में डिजिटल उपकरण और आपत्तिजनक सामग्री जब्त की गई।

35 गांवों को सर्वश्रेष्ठ पर्यटन ग्राम का खिताब

नई दिल्ली/भाषा। जम्मू कश्मीर के दवार से सिक्किम के किताम तक भारत के 35 गांवों को 'सर्वश्रेष्ठ पर्यटन ग्राम' के रूप में चुना गया है।

इन गांवों का चुनाव सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) से संबंधित मापदंड पर आधारित राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा में किया गया। पर्यटन मंत्रालय ने बुधवार को विश्व पर्यटन दिवस पर यहां भारत मंडपम में पुरस्कार समारोह का आयोजन किया।

गलवान झड़प के बाद से भारत-चीन संबंध सामान्य नहीं हैं : जयशंकर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। न्यूयॉर्क (अमेरिका)/भाषा। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने यहां कहा कि 2020 में गलवान घाटी में हुई झड़प के बाद से भारत और चीन के बीच संबंध ''सामान्य'' नहीं हैं और ''संभवत: ये मसला अपेक्षा से ज्यादा लंबा खिंच सकता है।'' विदेश मंत्री एस जयशंकर ने जोर देते हुए कहा कि वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर अपने सैनिकों को इकट्ठा करने के लिए चीन द्वारा दिया गया कोई भी स्पष्टीकरण वास्तव में तर्कसंगत नहीं है।

भारत लगातार कह रहा है कि पूर्वी लद्दाख से लगती सीमा पर हालात सामान्य नहीं है एवं एलएसी पर शांति एवं सौहार्द दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों को सामान्य बनाने के लिए अहम है। विदेश संबंध परिषद में भारत-चीन संबंधों के बारे में एक सवाल पर उन्होंने कहा कि अगर दुनिया के दो सबसे बड़े देशों के बीच इस हद तक तनाव है, तो इसका असर हर किसी पर पड़ेगा।

2009 से 2013 तक चीन में भारत के राजदूत रहे जयशंकर ने कहा, ''आपको पता है, चीन के साथ रिश्ते की खासियत ये है कि वे आपको कभी नहीं बताते कि वे ऐसा क्यों करते हैं। इसलिए आप अक्सर इसका पता लगाने की कोशिश करते रहते हैं और हमेशा कुछ अस्पष्टता रहती है।'' जयशंकर ने कहा कि ''चीनी पक्ष ने अलग-अलग समय पर अलग-अलग स्पष्टीकरण दिए लेकिन उनमें से कोई भी वास्तव में मान्य नहीं है।''

सूचना पर विचार करने के लिए तैयार हैं भारत : जयशंकर ने कनाडा के आरोपों पर कहा

न्यूयॉर्क/भाषा। एक खालिस्तानी अलगाववादी की हत्या में भारत की ''संभावित'' संलिप्तता के कनाडा के आरोपों के बाद विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा कि नई दिल्ली ओटावा को बता चुका है कि यह भारत सरकार की नीति नहीं है तथा वह मामले में ''विशिष्ट'' और ''प्रासंगिक'' सूचना पर विचार करने के लिए तैयार है। जयशंकर ने संयुक्त राष्ट्र महासभा सत्र को संबोधित करने के बाद मंगलवार को न्यूयॉर्क में विदेश संबंध परिषद में बातचीत के दौरान ये टिप्पणियां कीं। कनाडा में 18 जून को खालिस्तानी अलगाववादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारत सरकार के ''एजेंटों'' की संलिप्तता के कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के आरोपों पर जब जयशंकर से सवाल किया गया कि क्या उन्हें इस पर कुछ कहना है तो उन्होंने कहा, ''हां, मुझे कहना है। हमने कनाडा से जो कहा, उसे मैं आपके साथ बहुत स्पष्टता से साझा करूंगा।''

सिख युवाओं को कनाडा बुलाने के लिये खालिस्तान समर्थक वीजा प्रायोजित करने का दे रहे हैं प्रलोभन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ प्रवासी भारतीयों के समर्थन नहीं देने के कारण अलगाववादियों को हालांकि जमीनी स्तर पर समर्थक नहीं मिल रहे हैं।

चेन्नई। नई दिल्ली/भाषा। कनाडा में रह रहे खालिस्तान समर्थक तत्व भोले-भाले सिख युवाओं को वहां बुलाने के लिये वीजा प्रायोजित करने का प्रलोभन दे रहे हैं। सूत्रों ने बुधवार को यह जानकारी देते हुए कहा कि इसका एकमात्र उद्देश्य कनाडाई धरती पर उनके (खालिस्तान के) एजेंडे को आगे बढ़ाना है। सूत्रों ने कहा कि हरदीप सिंह निज्जर और मोनिंदर सिंह बुआल, परमिंदर पंगली, भगत सिंह बरार जैसे खालिस्तानी अलगाववादी कनाडा की धरती से अपने खालिस्तानी एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिये ऐसे सिख युवाओं का इस्तेमाल करते रहे हैं। निज्जर की हत्या को लेकर भारत और कनाडा के बीच विवाद उत्पन्न हो गया है। प्रवासी भारतीयों के समर्थन नहीं देने के कारण अलगाववादियों को हालांकि जमीनी स्तर पर समर्थक नहीं मिल रहे हैं।

सूत्रों ने बताया कि ''मांग और आपूर्ति के इस तानेबाने'' का इस्तेमाल कनाडा में खालिस्तान समर्थक चरमपंथियों ने पंजाब के सिख युवाओं को प्रलोभन देने के लिये किया। इस साजिश को आगे बढ़ाने के लिये सिख युवाओं को नलसाज (प्लंबर), ट्रक चालक जैसी नौकरियों और अलगाववादियों द्वारा नियंत्रित गुरुद्वारों में सेवादार, रागी और पाठियों जैसे धार्मिक कार्यों के लिए प्रायोजित करने का एक नया विचार दिया गया।

सूत्रों ने बताया कि खालिस्तान समर्थक चरमपंथी ऐसे पंजाबी युवकों का वीजा प्रायोजित करते हैं और उन्हें कनाडा बुलाकर भारत विरोधी प्रदर्शनों और कार्यक्रमों, कट्टरपंथी-धार्मिक सभाओं में शामिल करवाकर उनका शोषण करते हैं।

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

अगड़े-पिछड़े

कैसे कब तक आ जायेंगे,
सारे पिछड़े सबसे अगड़े।
संभवतः जब तक आएंगे,
होंगे तब अगड़े भी पिछड़े,
अगड़े-पिछड़े के लफड़े में,
होंगे फिर झगड़े ही झगड़े।
इस रगड़े में सबकुछ बिगड़े,
बस नेता दल होंगे तगड़े।।

प्याज के मुद्दे पर दिल्ली में होगी बैठकः पीयूष गोयल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/वार्ता। केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने जनता को सूचित किया कि महाराष्ट्र में उपजे प्याज के मुद्दे को हल करने के लिए 29 सितंबर को राज्य के कैबिनेट मंत्रियों के एक प्रतिनिधिमंडल के साथ दिल्ली में एक बैठक होगी। इस संबंध में नासिक जिले में प्याज व्यापारियों द्वारा बंद की पृष्ठभूमि में मुंबई के सह्यादि सरकारी गेस्ट हाउस में गोयल और राज्य के उपमुख्यमंत्री अजीत पवार की उपस्थिति में एक विशेष बैठक आयोजित की गयी थी।

इस बैठक में केंद्रीय स्वास्थ्य राज्य मंत्री भारती पवार, उपाध्यक्ष नरहरि जिरवाल, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री छगन भुजबल, कृषि मंत्री धनंजय मुंडे, सार्वजनिक निर्माण (सार्वजनिक उद्यम) मंत्री, नासिक के संरक्षक मंत्री दादाजी भुसे, विपणन मंत्री अब्दुल सत्तार , विधायक हीरामन खोसकर, विधायक राहुल अहेर, विधायक नितिन पवार और शीर्ष अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में राज्य के प्याज उत्पादक किसानों को राहत देने के लिए जनप्रतिनिधियों ने मांग की कि भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ (नाफेड) और भारतीय राष्ट्रीय उपभोक्ता सहकारी संघ (एनसीसीएफ), 'भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ ' कृषि उत्पादन बाजार समिति (एपीएमसी) परिसर में किसानों से सीधे प्याज खरीदें।

राज्य सरकार प्याज उत्पादकों, व्यापारियों और उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा के लिए भी हरसंभव प्रयास कर रही है।

प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा के मद्देनजर तेलंगाना में सुरक्षा तैयारियां

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/वार्ता। तेलंगाना की मुख्य सचिव शांति कुमारी ने अधिकारियों को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की एक अक्टूबर की राज्य की प्रस्तावित यात्रा की तैयारियों के लिए विभिन्न विभागों के साथ मिलकर सावधानीपूर्वक व्यवस्था करने का निर्देश दिया है।

मुख्य सचिव ने तैयारियों का आकलन करने के लिए बुधवार को एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की।

यात्रा के दौरान, प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राजधानी 365 खम्मम-सूर्यपेट सड़क को राष्ट्र को समर्पित करेंगे और वारंगल-खम्मम तथा खम्मम-विजयवाड़ा एनएच 163 ग्रीनफील्ड एक्सेस कंट्रोल राजमार्ग की आधारशिला रखेंगे, जो नागपुर-विजयवाड़ा आर्थिक गलियारा का एक हिस्सा है।

मुख्य सचिव ने पुलिस विभाग को विशेष रूप से स्थापित प्रोटोकॉल के अनुसार पर्याप्त सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। इसके अतिरिक्त, अग्नि सुरक्षा, स्वास्थ्य देखभाल, बिजली, सड़क और भवनों के लिए जिम्मेदार विभागों को व्यापक व्यवस्था करने का निर्देश दिया गया। भूथपुर में होने वाली सार्वजनिक बैठक के लिए महबूबनगर में कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक को कार्यक्रम आयोजकों के साथ निकट समन्वय का काम सौंपा गया है।

बैठक में पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) अंजनी कुमार, ऊर्जा विशेष मुख्य सचिव सुनील शर्मा, जीएडी सचिव शेषाद्रि, सड़क और भवन सचिव श्रीनिवास राजू, चिकित्सा और स्वास्थ्य सचिव रिजवी, आई एंड पीआर विशेष आयुक्त अशोक रेड्डी के साथ-साथ पुलिस, (एनएचएआई) भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण, बीएसएनएल, अग्निशमन और विमानन विभाग के प्रमुख अधिकारी शामिल हुए।

मथुरा ट्रेन हादसाः जांच में पता चला ट्रेनकर्मी था हल्का नशे में , मोबाइल पर कुछ देख रहा था

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। मथुरा में मंगलवार को हुई ट्रेन घटना की संयुक्त जांच रिपोर्ट में पाया गया है कि ट्रेन परिचालन के दौरान ट्रेनकर्मी अपने मोबाइल फोन पर कुछ देख रहा था और वह हल्का नशे की हालत में भी था। सूत्रों ने यह जानकारी दी। मंगलवार को एक अजीबोगरीब घटना में मथुरा जंक्शन रेलवे स्टेशन पर एक ट्रेन प्लेटफॉर्म संख्या दो पर चढ़ गई।

सूत्रों ने बताया कि रिपोर्ट में ट्रेन घटना के प्रथम दृष्टया कारण का जिक्र करते हुए कहा गया है कि 'क्रू वायस एंड वीडियो रिकार्डिंग सिस्टम' के मुताबिक प्लेटफार्म पर ट्रेन के पहुंचने के बाद सचिन नामक ट्रेनकर्मी अपने मोबाइल फोन पर कुछ देखते हुए उसके डीटीसी कैब (इंजन) में दाखिल हुआ।

रिपोर्ट में कहा गया है कि उसने लापरवाही से इंजन के थ्रोटल (एक खास उपकरण) पर अपना बैग रख दिया एवं फिर अपने मोबाइल फोन पर कुछ देखने में व्यस्त हो गया। बैग के दबाव के चलते थ्रोटल आगे की स्थिति में चला गया, फलस्वरूप ईएमयू प्लेटफार्म की ओर आगे बढ़ गयी।

रिपोर्ट में कहा गया है, '' उसने (ट्रेन ने) प्लेटफार्म के आखिरी छोर तो तोड़ दिया तथा कोच का आधा हिस्सा प्लेटफार्म नंबर दो के ऊपरी हिस्से पर चढ़ गया, फलस्वरूप ओएचई (ओवरहेड तार) भी प्रभावित हुआ।'' रिपोर्ट में यह भी गया है कि सचिन पर किये गये ब्रेथलाइजर टेस्ट से पता चला कि वह हल्का नशे की हालत में है।

आगरा रेलवे डिवीजन के सूत्र ने कहा, '' उसे मेडिकल परीक्षण के लिए भेजा गया है जहां यह पता करने के लिए उसका रक्त नमूना लिया जाएगा कि उसमें अल्कोहल सेवन का सटीक स्तर क्या है।''

संभागीय रेलवे प्रबंधक तेजप्रकाश अग्रवाल ने इस घटना के सिलसिले में सचिन समेत पांच व्यक्तियों को निलंबित कर दिया है। उन चारों में हरभजन सिंह ब्रजेश कुमार और कुलजीत तकनीकी कर्मी हैं जबकि गोविंद हरि शर्मा लोको पायलट है। अग्रवाल ने कहा, '' हमने पांच व्यक्तियों को निलंबित कर दिया है तथा मामले की जांच की जा रही है।''

संयुक्त रिपोर्ट में कहा गया है कि आमतौर पर तकनीशियन डीटीसी कैब (इंजन) की चाबी लेते हैं लेकिन इस मामले में तकनीशियन ने चाबी लेने के लिए सचिन को भेजा था।

घटना का संक्षिप्त ब्योरा देते हुए रिपोर्ट में कहा गया है कि मथुरा स्टेशन पर रात 10 बजकर 49 मिनट पर ट्रेन पहुंची। जब लोको पायलट अपनी ड्यूटी पूरी कर कैब से बाहर आया तब सचिन चाबियां लेने के लिए कैब में घुसा। कैब में उसके जाने के मिनट भर के अंदर ही वह चलने लगी और उसका आधा हिस्सा प्लेटफार्म पर चढ़ गया।

विजयवर्गीय ने अपनी चुनावी उम्मीदवारी पर एक बार फिर अचंभा जताया, कांग्रेस ने ली चुटकी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंदौर/भाषा। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय ने मध्यप्रदेश के आगामी विधानसभा चुनावों में पार्टी द्वारा उन्हें उम्मीदवार घोषित किए जाने पर एक बार फिर अचंभा जताया है। भाजपा नेता ने कहा कि उन्हें अपने उम्मीदवार बनने पर अब भी विश्वास नहीं हो रहा है।

विजयवर्गीय ने इंदौर में मंगलवार रात भाजपा कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा, ''मुझे अब भी विश्वास नहीं हो रहा है कि मैं उम्मीदवार हूं। मैं आपसे सच कह रहा हूं। मुझे लग ही नहीं रहा है कि मुझे टिकट मिल गया और मैं उम्मीदवार बन गया हूं। उन्होंने कहा कि उनकी चुनाव लड़ने की एक प्रतिशत भी इच्छा नहीं थी। भाजपा महासचिव ने अपने चिर-परिचित अंदाज में पार्टी कार्यकर्ताओं से चुहल करते हुए कहा कि चूंकि वह बड़े नेता हो गए हैं, इसलिए उनकी उम्मीदवारी घोषित होने से पहले उन्हें लग रहा था कि उन्हें चुनाव प्रचार के लिए अलग-अलग स्थानों पर भाषण देने जाना होगा और अब वह लोगों के सामने हाथ जोड़ने कहां जाएंगे। विजयवर्गीय के मुताबिक उनकी उम्मीदवारी घोषित होने से पहले योजना बनाई गई थी कि वह आगामी विधानसभा चुनावों में भाजपा के प्रचार के लिए हर रोज आठ स्थानों पर चुनावी सभाओं को संबोधित करेंगे जिनमें से पांच स्थानों पर वह हेलिकॉप्टर के जरिये पहुंचेंगे, जबकि तीन अन्य स्थानों तक पहुंचने के लिए कार का सहारा लेंगे।

भाजपा के 67 वर्षीय नेता ने कहा, ''..पर आप जो सोचते हो, वह होता कहां है। भगवान की जो इच्छा होती है, वही होता है। भगवान की ऐसी इच्छा थी कि मैं चुनाव लड़ूं और एक बार फिर से जनता के बीच जाऊं।''

भारतीय नौसेना नया स्वदेशीकरण रोडमैप पेश करेगी

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय नौसेना अगले सप्ताह अद्यतन स्वदेशीकरण रोडमैप का अनावरण करेगी, जिसमें विभिन्न महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों और प्लेटफार्म में आत्मनिर्भरता सुनिश्चित करने के लिए विशिष्ट पहलों की रूपरेखा बताई जाएगी। रोडमैप 4 और 5 अक्टूबर को आयोजित होने वाले वार्षिक 'स्वावलंबन' सेमिनार के दूसरे संस्करण में जारी किया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस सम्मेलन में भाग लेने वाले हैं। एक संवाददाता सम्मेलन में, नौसेना स्टाफ के उप प्रमुख वाइस एडमिरल संजय जसजीत सिंह ने कहा कि नौसेना ने पिछले साल 'स्वावलंबन' सेमिनार में 75 प्रौद्योगिकियों को विकसित करने का संकल्प लिया था और लक्ष्य हासिल कर लिया गया है। उन्होंने कहा, ''पिछले साल किए गए वादे पूरे किए हैं।'' ब्यौरा दिए बिना वाइस एडमिरल सिंह ने कहा कि दो दिवसीय सेमिनार में कई नीतिगत फैसले और नई घोषणाएं सामने आएंगी।

अमृतसर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा से जुड़ेंगे कुल्लू व शिमला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिमला/वार्ता। हिमाचल प्रदेश में हवाई सेवा को विस्तार प्रदान करते हुए कुल्लू और शिमला को अमृतसर से जोड़ने वाले दो नए हवाई मार्ग शीघ्र ही शुरू किए जाएंगे। कुल्लू-अमृतसर-कुल्लू मार्ग पर उड़ानें प्रथम अक्तूबर, 2023 से शुरू की जाएंगी। यह उड़ानें सप्ताह में तीन बार, विशेष रूप से सोमवार, बुधवार और शुक्रवार को संचालित होंगी।

शिमला-अमृतसर-शिमला हवाई मार्ग पर प्रथम नवंबर, 2023 से सप्ताह में तीन बार हवाई सेवाएं संचालित की जाएंगी। एलायंस एयर ने कुल्लू-अमृतसर-कुल्लू मार्ग के लिए टिकट बुकिंग सुविधा भी शुरू कर दी है। इससे यात्रियों के लिए आरामदायक हवाई यात्रा की सुविधा उपलब्ध होगी। कुल्लू-अमृतसर हवाई मार्ग पर प्रातः 8.25 बजे कुल्लू से उड़ान भरी जाएगी जो सुबह 9.30 बजे अमृतसर पहुंचेगी। अमृतसर से वापसी उड़ान प्रातः 10.00 बजे होगी जो 11.05 बजे कुल्लू पहुंचेगी। इस रूट पर 50% सीटों पर उपदान उपलब्ध रहेगा, जिसके अन्तर्गत कुल्लू से अमृतसर सेक्टर के लिए हवाई किराया 2637 रु. और अमृतसर से कुल्लू के लिए 3284 रु. होगा। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि पर्यटन क्षेत्र राज्य के युवाओं के लिए रोज़गार के अवसर प्रदान करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है और प्रदेश के राजस्व में भी महत्वपूर्ण योगदान देता है। राज्य की नैसर्गिक सुन्दरता और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से पर्यटकों को अवगत करवाने के लिए सरकार यातायात सेवाओं को सुदृढ़ कर रही है। राज्य सरकार प्रदेश में पर्यटन और आर्थिक विकास को प्रोत्साहित करने के लिए हवाई सेवा को विस्तार प्रदान करते हुए हेलीपोर्ट स्थापित करने पर भी ध्यान केंद्रित कर रही है।

अडाणी पोर्ट्स 19.5 करोड़ अमेरिकी डॉलर के बॉन्ड की करेगी पुनःखरीद

नई दिल्ली/भाषा। अडाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन (एपीएसईजेड) 19.5 करोड़ अमेरिकी डॉलर के बॉन्ड वापस खरीदेगी। अमेरिकी वित्तीय शोध एवं निवेश कंपनी हिंडनबर्ग रिसर्च के गड़बड़ी व धोखाधड़ी के आरोप लगाने के बाद गौतम अडाणी का समूह निवेशकों के बीच विश्वास बढ़ाने की कोशिश में जुटा है और यह कदम उसी का हिस्सा है।

एपीएसईजेड ने शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि वह अपने नकदी भंडार का इस्तेमाल करके 2024 में देय 19.5 करोड़ अमेरिकी डॉलर के बॉन्ड वापस खरीदेगी। बयान के अनुसार, कंपनी के निदेशक मंडल ने इसकी मंजूरी दे दी है। कंपनी को 52 करोड़ डॉलर का भुगतान करना था, जिसमें से वह कुल बकाया का 30% यानी 19.5 करोड़ डॉलर का भुगतान कर रही है। इसके बाद अब 32.5 करोड़ डॉलर बकाया रह जाएंगे।

देश में दस हजार इलेक्ट्रिक बस चलायी जाएंगी : पुरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंदौर/वार्ता। केंद्रीय आवास एवं शहरी मामलों के मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने आज कहा कि केंद्र सरकार आम नागरिकों की सुविधा के मद्देनजर सार्वजनिक परिवहन प्रणाली को बेहतर बनाने के सतत प्रयास कर रही है और इसी क्रम में आने वाले समय में देश में दस हजार इलेक्ट्रिक बस चलायी जाएंगी।

केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने यहां पत्रकार वार्ता में एक सवाल के जवाब में यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि शहरों में सार्वजनिक परिवहन प्रणाली को आम नागरिकों के आवागमन की सुविधा की दृष्टि से सस्ता और कम समय में अधिक से अधिक दूरी पूर्ण करने वाली बनाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में आने वाले समय में देश के प्रमुख शहरों में सार्वजनिक परिवहन प्रणाली के तहत दस हजार इलेक्ट्रिक बस चलायी जाएंगी। उन्होंने कहा कि अगले छह माह में लगभग पांच सौ बस सड़क पर भी आ जाएंगी।

श्री पुरी ने कहा कि देश में शहरी सार्वजनिक परिवहन को बेहतर बनाने में मेट्रो रेल का बेहतर योगदान है और इससे जुड़ी योजनाएं कहीं भी असफल नहीं हुयी हैं। उन्होंने कहा कि मेट्रो रेल परियोजनाओं की स्वीकृति काफी सोच विचार और वैज्ञानिक तरीके से अध्ययन के बाद दी जाती है। वर्तमान में मेट्रो रेल के जरिए प्रतिदिन लगभग एक करोड़ यात्री सफर करते हैं। दिल्ली मेट्रो में ही प्रतिदिन सफर करने वाले यात्रियों की संख्या बढ़कर 85 लाख हो गयी है। उन्होंने कहा कि शहरी परिवहन व्यवस्था को बेहतर बनाने में ''फायनेंशियल वायबिलिटी'' (वित्तीय व्यवहार्यता) एक अहम कारक है और इससे जुड़ी परियोजनाओं में इस बात का खास ध्यान रखा जाता है। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था जितनी सुलभ, सरल और सस्ती होगी, वह उतनी ही सफल होगी।

केंद्रीय मंत्री ने इस दौरान शहरों में स्वच्छता और स्मार्ट सिटी परियोजनाओं से संबंधित योजनाओं के बारे में भी बताया।

चीन की सैकड़ों कंपनियों को सरकारी खरीद मंच जीईएम से हटाया गयाः अधिकारी

नई दिल्ली/भाषा। सरकारी खरीद मंच जीईएम पोर्टल से पिछले तीन साल में चीन से जुड़ी सैकड़ों कंपनियों को हटाया गया है। ये कंपनियां या तो चीन के नागरिकों के स्वामित्व वाली हैं या चीनी इकाई की इनमें उल्लेखनीय हिस्सेदारी है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। इस बीच, जीईएम के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) प्रशांत कुमार सिंह ने कहा कि उन कंपनियों के जीईएम पर कोई उत्पाद नहीं है, जिनकी जमीनी सीमा भारत से मिलती है।

सिंह ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''हमने बहुत सारे फर्जी विक्रेताओं को हटा दिया है। खासकर जमीनी सीमा साझा करने वाले देशों के संबंध में व्यय विभाग के आदेश के बाद यह कदम उठाया गया है। इसके तहत कुछ देशों के उत्पादों का उपयोग जीईएम मंच पर नहीं किया जाना है।'' उन्होंने कहा, ''...कंपनियों पर कार्रवाई को लेकर हम हिस्सेदारी प्रतिरूप पर गौर करते हैं... यह देखा जाता है कि क्या कोई जमीनी सीमा साझा करने वाला देश है। फिर उसे मंच से हटा दिया जाता है या अयोग्य घोषित किया जाता है।'' सिंह ने कहा, ''यह एक बड़ी संख्या है जिसे हमने मंच से हटा दिया है। इस कदम से जो श्रेणियां गंभीर रूप से प्रभावित हुई हैं, उनमें लैपटॉप, डेस्कटॉप, चिकित्सा उपकरण आदि शामिल हैं। ये वे कंपनियां थी, जिसका किसी तरह का संबंध चीन से था।'' अधिकारी ने कहा कि पिछले तीन साल में चीन से जुड़ी सैकड़ों कंपनियों को मंच से हटाया गया है। ये कंपनियां या तो चीन के नागरिकों के स्वामित्व में हैं अथवा चीनी इकाई की इसमें उल्लेखनीय हिस्सेदारी है।

केरल की मंत्री के निजी कर्मचारी पर रिश्वत लेने का आरोप, कांग्रेस ने सरकार पर हमला बोला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल की स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज के एक निजी कर्मचारी पर रिश्वत लेने का आरोप लगा है, जिसके बाद विपक्षी दल कांग्रेस ने बुधवार को इसकी जांच की मांग की। मलप्पुरम जिले के निवासी हरिदासन ने आरोप लगाया कि मंत्री के एक निजी कर्मचारी ने उनकी बहू की सरकारी चिकित्सा अधिकारी के रूप में नियुक्ति के लिए एक लाख रुपये की रिश्वत ली। उन्होंने आरोप लगाया कि एक बिचौलिए ने उनसे संपर्क किया और दावा किया कि ऐसी नियुक्तियां मंत्री के कार्यालय के माध्यम से की जा रही हैं, और उनसे किश्तों में रिश्वत के रूप में एक बड़ी राशि का भुगतान करने के लिए कहा। पथनमथिट्टा में माकपा की श्रमिक संगठन शाखा 'सीटू' के एक पूर्व कार्यालय सचिव ने कथित तौर पर बिचौलिए के रूप में काम किया और उक्त नियुक्ति के लिए रिश्वत ली। उन्होंने दावा किया कि पैसे देने के बावजूद उनकी बहू को नौकरी नहीं मिली।

हरिदासन ने मंत्री के निजी कर्मचारी को रिश्वत देने के कुछ कथित सबूत भी जारी किए। बाद में दिन में, उन्होंने कहा कि राज्य पुलिस की विशेष शाखा के अधिकारियों ने उनका बयान दर्ज किया है। वहीं, आरोप को खारिज करते हुए स्वास्थ्य मंत्री के कार्यालय ने कहा कि मामले की विस्तृत जांच के लिए एक शिकायत पुलिस महानिदेशक को भेजी गई है।

मंत्री वीना जॉर्ज ने कहा कि प्राप्त शिकायत के आधार पर उन्होंने आरोपी कर्मचारी से स्पष्टीकरण मांगा है। साथ ही कहा कि शिकायत मिलने पर उन्होंने कभी भी इसे दबाने की कोशिश नहीं की। उन्होंने कन्नूर में संवाददाताओं से कहा, ''जब मुझे एक मंत्री के रूप में ऐसी शिकायत मिली, तो मैंने सबसे पहले अपने निजी कर्मचारी से स्पष्टीकरण मांगा, जिसके खिलाफ आरोप लगाया गया था। यह उस जांच का हिस्सा है, जो मैंने अपने कार्यालय में इस संबंध में की थी।''

स्वास्थ्य मंत्री के निजी कर्मचारी के खिलाफ रिश्वतखोरी के आरोप को ''गंभीर'' बताते हुए कांग्रेस ने आरोप लगाया कि राज्य के सभी सरकारी विभागों में भ्रष्टाचार पनप रहा है।

भारत के रिकॉर्ड 91 विश्वविद्यालयों को मिली टाइम्स वर्ल्ड रैंकिंग में जगह

नई दिल्ली/भाषा। भारत के रिकॉर्ड 91 विश्वविद्यालयों को टाइम्स हायर एजुकेशन (टीएचई) पत्रिका द्वारा घोषित वैश्विक विवि रैंकिंग में जगह मिली है। आईआईएस-बेंगलोर ने 2017 के बाद पहली बार शीर्ष 250 विश्वविद्यालयों की सूची में जगह बनाई है। इस वर्ष 91 भारतीय विश्वविद्यालयों ने सूची में जगह बनाई जबकि पिछले साल इनकी संख्या 75 थी, इस लिहाज से गत वर्ष की तुलना में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। हालांकि शीर्ष भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों (आईआईटी) ने लगातार चौथे वर्ष रैंकिंग का बहिष्कार किया है।

सूची में जगह बनाने वाले विश्वविद्यालयों की संख्या के मामले में भारत चौथे स्थान पर रहा जबकि पिछले साल यह छठे पायदान पर था। बुधवार को लंदन स्थित टीएचई पत्रिका द्वारा घोषित रैंकिंग के अनुसार, भारत में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले विश्वविद्यालयों में अन्ना विश्वविद्यालय, जामिया मिलिया इस्लामिया, महात्मा गांधी विश्वविद्यालय, शूलिनी जैव प्रौद्योगिकी और प्रबंधन विज्ञान विश्वविद्यालय शामिल हैं। सात आईआईटी बॉम्बे, दिल्ली, गुवाहाटी, कानपुर, खड़गपुर, मद्रास और रूड़की ने 2020 में वैश्विक विश्वविद्यालय रैंकिंग से बाहर होने का विकल्प चुना था, जिसके बा रैंकिंग की पारदर्शिता और मानकों पर संदेह पैदा हो हुआ था।

राहुल ने कुलियों के साथ मुलाकात का वीडियो जारी कर महंगाई और बेरोजगारी के मुद्दे उठाए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कुलियों के साथ मुलाकात का वीडियो बुधवार को जारी कर 'कमरतोड़ महंगाई' एवं 'रिकॉर्ड' बेरोजगारी के मुद्दे उठाए और कहा कि भारत का भार उठाने वालों के कंधे आज मजबूरियों के बोझ से झुके हुए हैं। उन्होंने पिछले सप्ताह आनंद विहार रेलवे स्टेशन पर कुलियों के साथ मुलाकात की थी और उनकी समस्याओं के बारे में जाना था।

राहुल गांधी ने बुधवार को इस मुलाकात का एक वीडियो अपने यूट्यूब चैनल पर जारी किया। उन्होंने कहा, ''कुछ दिनों पहले रामेश्वर जी (सब्जी विक्रेता) से मुलाकात हुई थी। इसकी खबर मिलते ही कुछ कुली भाइयों ने मुझे उनसे मिलने का अनुरोध किया। जैसे ही मुझे मौका मिला, मैं दिल्ली के आनंद विहार टर्मिनल पहुंच गया। उनसे मिल कर काफ़ी बातें हुईं – उनकी ज़िंदगियों को करीब से जाना और उनके संघर्षों को समझा।''

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष का कहना था, ''कुली भारत के सबसे मेहनती लोगों में हैं। पीढ़ी दर पीढ़ी, करोड़ों यात्रियों के सफ़र में सहायक बन कर ये अपनी ज़िंदगी बिता देते हैं। कितनों की बांह पर लगा वो बिल्ला सिर्फ़ पहचान ही नहीं, उनको मिली विरासत भी है। ज़िम्मेदारी तो हिस्से में आ जाती है, मगर तरक्की न के बराबर।'' उन्होंने दावा किया, ''आज भारत में लाखों शिक्षित युवा रेलवे स्टेशन पर कुली का काम कर अपनी रोज़ी रोटी कमाने की कोशिश कर रहे हैं। कारण? रिकॉर्ड बेरोज़गारी। देश का साक्षर नागरिक दो वक़्त की रोटी कमाने को संघर्ष कर रहा है।''

राहुल गांधी ने कहा, ''प्रतिदिन 400-500 रुपये की मामूली जीविका कमाते हैं, जिसमें घर का खर्च भी पूरा नहीं पड़ता, बचत का तो सवाल ही नहीं। कारण? कमरतोड़ महंगाई। खाना महंगा, रहना महंगा, शिक्षा महंगी, स्वास्थ्य महंगा – गुज़ारा हो भी तो कैसे!'' उनके अनुसार, ''कुली भारतीय रेलवे से वेतन पाने वाले कर्मचारी नहीं हैं, उनकी न पगार है, न पेंशन!किसी चिकित्सा बीमा या बुनियादी सुविधाओं का भी लाभ नहीं – भारत का भार उठाने वालों के कंधे आज मजबूरियों से झुके हुए हैं।'' उन्होंने कहा, ''फिर भी उनकी उम्मीदें करोड़ों और हिंदुस्तानियों की तरह ही इस बात पर कायम हैं कि समय बदलेगा!''

प्रदर्शन

बुधवार को बेंगलूरु के विधान सौधा में तमिलनाडु को कावेरी का पानी छोड़े जाने के खिलाफ बीजेपी और जेडीएस विधायकों ने विरोध प्रदर्शन किया।

कावेरी पानी को लेकर कल 'कर्नाटक बंद' का आह्वान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक में स्थित बांधों से तमिलनाडु को कावेरी का पानी छोड़े जाने के विरोध में कई किसान संघों और कन्नड़ समर्थक संगठनों प्रदर्शन किया है। 29 सितम्बर को अखिल कर्नाटक बंद का आह्वान विभिन्न संगठनों द्वारा किया गया है। तमिलनाडु के लिए कावेरी नदी का पानी छोड़े जाने के खिलाफ किसानों और कन्नड़ संगठनों द्वारा मंगलवार को बेंगलूरु बंद का आह्वान किया गया था जो पूरी तरह से सफल रहा था। लोगों ने स्व: प्रेरित होकर इसमें भाग लिया।

बुधवार को बेंगलूरु में वाटाल नागराज एवं अन्य कन्नड़ संगठनों ने मिलकर लोगों से आह्वान किया कि वे 29 सितम्बर को बंद में पूर्ण सहयोग करें। वाटाल नागराज ने कहा कि पूरे कर्नाटक बंद का आह्वान किया गया है।

बीदर से लेकर चामराजनगर और मंगलूरु से लेकर कोलार तक सभी जगहों पर बंद का आह्वान किया गया है। कर्नाटक बंद अर्थात सम्पूर्ण कर्नाटक बंद रहेगा। उन्होंने कहा कि शुक्रवार को सुबह 6 बजे से लेकर शाम 6 बजे तक विरोध प्रदर्शन के तहत पूरा अखिल कर्नाटक बंद रहेगा। वाटाल नागराज ने कहा कि हमारे पास पीने को पानी नहीं है।

वहीं हमें मजबूरन पानी छोड़ना पड़ रहा है जो कि अनुचित है। इसके लिए हमें एक दिन नहीं जितने भी दिन हो सके बंद रखना चाहिए। इस बंद को 100 से अधिक संगठनों का समर्थन मिला है।

बुधवार को बेंगलूरु में टेकफ्यूजन सनराइज समिट–2023 का उद्घाटन गृह मंत्री डॉ. जी परमेश्वर ने किया। महानिदेशक और पुलिस महानिरीक्षक आलोक मोहन, पुलिस आयुक्त बी. दयानंद नजर आ रहे हैं।

बेंगलूरु में साइबर सेन्टर ऑफ एक्सीलेंसी बनेगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बुधवार को बेंगलूरु में टेकफ्यूजन सनराइज समिट–2023 का उद्घाटन गृह मंत्री डॉ. जी परमेश्वर ने किया। उन्होंने बताया कि बेंगलूरु में साइबर सेन्टर ऑफ एक्सीलेंसी का निर्माण किया जाएगा। बुधवार को बेंगलूरु आईटी कम्पनियों के साथ बात कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि आजकल साइबर क्राइम ज्यादा हो रहे हैं। उन पर नियंत्रण करने के लिए गृहमंत्रालय के आईटी कम्पनी के सहयोग से बेंगलूरु में साइबर क्राइम पर रोक लगाने के लिए साइबर सेन्टर ऑफ एक्सीलेंसी बनाने के लिए निजी एवं सरकारी भागीदारी के साथ बनाया जाएगा। जिसमें आईटी कम्पनियों का सहयोग लिया जाएगा। इस कार्यक्रम में 50 से ज्यादा आईटी बीटी कम्पनी ने भाग लिया। कई सीईओ ने ट्राफिक समस्या और साइबर क्राइम के लिए कदम उठाने की बात कही। उन्होंने कहा कि बेंगलूरु में आईटीबीटी कम्पनी का 34 प्रतिशत शेयर है। उन्होंने कहा कि बेंगलूरु में आईटीबीटी के लिए अच्छा माहौल है।

इस मौके पर महानिदेशक और पुलिस महानिरीक्षक आलोक मोहन, पुलिस आयुक्त बी. दयानंद सहित अनेक वरिष्ठ उपस्थित थे।

देवेगौड़ा ने भाजपा के साथ गठबंधन के फैसले पर पार्टी का बचाव किया

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। जनता दल (एस) के संरक्षक एच.डी. देवेगौड़ा ने 2024 के लोकसभा चुनावों के लिए भाजपा के साथ गठबंधन करने के फैसले का बुधवार को बचाव करते हुए कहा कि इसका उद्देश्य पार्टी को बचाना था। साथ ही उन्होंने आश्वासन दिया कि वह और जद (एस) अपनी धर्मनिरपेक्ष साख बरकरार रखेंगे और अल्पसंख्यकों को कभी निराश नहीं होने देंगे।

पूर्व प्रधानमंत्री ने जोर देकर कहा कि जद (एस) सत्ता की भूखी नहीं है और अवसरवादी राजनीति नहीं करती है। जद (एस) ने हाल में नयी दिल्ली में अपने नेता और पूर्व मुख्यमंत्री एच.डी. कुमारस्वामी की गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा के साथ बैठक के बाद भाजपा के साथ गठबंधन करने का ऐलान किया था।

देवेगौड़ा ने कहा, हमने कभी भी अपनी धर्मनिरपेक्ष साख से समझौता करके राजनीति नहीं की है और भविष्य में भी ऐसा करने का कोई सवाल ही नहीं है।

मैं यह बहुत स्पष्ट रूप से कह रहा हूं। कुमारस्वामी के भाजपा नेताओं से मिलने से पहले, मैंने केंद्रीय गृह मंत्री (अमित शाह) से मुलाकात की थी। इसमें छिपाने के लिए कुछ भी नहीं है। मैंने शाह से कर्नाटक की मौजूदा राजनीतिक स्थिति पर विस्तार से बात की थी।

भाजपा से गठबंधन के बाद जद (एस) खुद को न बताए धर्म निरपेक्ष पार्टी : सिद्दरामैया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चामराजनगर। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने बुधवार को पूर्व प्रधानमंत्री एच डी देवेगौड़ा के नेतृत्व वाले जद (एस) पर कटाक्ष करते हुए कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ गठबंधन करने के बाद उसे खुद को धर्मनिरपेक्ष पार्टी नहीं कहना चाहिए।

जद (एस) ने गत शुक्रवार को, नयी दिल्ली में गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा के साथ अपने नेता और पूर्व मुख्यमंत्री एच डी कुमारस्वामी की बैठक के बाद भाजपा के साथ गठबंधन करने का फैसला किया। कुमारस्वामी पूर्व प्रधानमंत्री देवेगौड़ा के बेटे हैं। सिद्दरामैया ने चामराजनगर जिले के कोनानकेरे में संवाददाताओं के सवालों के जवाब में कहा उन्होंने अब चुनाव के लिए भाजपा के साथ गठबंधन कर लिया है, हम उन्हें क्या कहें? मुख्यमंत्री ने कहा नाम कहता है धर्मनिरपेक्ष.... जनता दल (धर्म निरपेक्ष)। क्या वे अब धर्म निरपेक्ष हैं? क्या हमें उनकी बात मान लेनी चाहिए? एक सांप्रदायिक पार्टी के साथ जाने के बाद भी क्या वे धर्मनिरपेक्ष

हैं? क्या हमें स्वीकार करना चाहिए? वे भाजपा या किसी के साथ जाएं, हमें कोई आपत्ति नहीं है। लेकिन उन्हें यह नहीं कहना चाहिए कि वे धर्मनिरपेक्ष हैं। उन्हें यह नहीं कहना चाहिए कि जनता दल एक धर्मनिरपेक्ष पार्टी है। जद (एस) ने इससे पहले जनवरी 2006 से 20 महीने के लिए और मई 2018 से 14 महीने के लिए क्रमशः भाजपा और कांग्रेस के साथ गठबंधन में सरकार बनाई थी, जिसमें कुमारस्वामी मुख्यमंत्री थे।

इस बीच कांग्रेस के नेताओं ने आरोप लगाया कि देवेगौड़ा ने भाजपा के साथ गठबंधन करके जद (एस) को भाजपा की 'बी–टीम' साबित कर दिया है। इस पर कुमारस्वामी ने कहा कि अगर वह कांग्रेस के साथ जाने के बजाय शाह के बुलाने पर भाजपा के साथ गए होते तो 2018 के विधानसभा चुनाव के बाद वह पूरे पांच साल तक सरकार चला सकते थे। कांग्रेस पर देश भर में धर्मनिरपेक्ष ताकतों को 'नष्ट' करने का आरोप लगाते हुए कुमारस्वामी ने दावा किया कि उन्होंने पार्टी के साथ गठबंधन करने के बाद जद (एस) को भी 'खत्म' करने की कोशिश की। कुमारस्वामी ने आरोप लगाया कि जद (एस) ने सिद्दरामैया को पार्टी से बाहर नहीं निकाला था और 2004 में सिद्दरामैया ने तालमेल और सरकार बनाने के लिए चेन्नई में तत्कालीन भाजपा नेता एम वेंकैया नायडू से मिलने की कोशिश की थी। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए सिद्दरामैया ने कहा, 'मैं वेंकैया नायडू से नहीं मिला। यह सच है कि मैं (लालकृष्ण) आडवाणी से मिला था। आडवाणी (पहले) जनता पार्टी में थे, इसी वजह से मैं उन्हें जानता हूं और मैं उनसे मिला था।'

कर्नाटक में कावेरी मुद्दे पर भाजपा और जद(एस) का संयुक्त विरोध प्रदर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और जद(एस) ने बुधवार को संयुक्त रूप से राज्य की कांग्रेस सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया और आरोप लगाया कि वह पड़ोसी राज्य तमिलनाडु को कावेरी नदी का जल छोड़ने के मुद्दे से निपटने में नाकाम रही है। लोकसभा चुनाव के लिए पिछले हफ्ते दोनों पार्टियों के बीच गठबंधन होने के बाद उन्होंने पहली बार एक साथ यहां विधान सौध में गांधी प्रतिमा के सामने विरोध प्रदर्शन किया।

जद (एस) के नेता और पूर्व मुख्यमंत्री एच.डी. कुमारस्वामी अपनी पार्टी के कुछ विधायकों और नेताओं के साथ विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए, जबकि भाजपा की ओर से पूर्व मुख्यमंत्री बी.एस. येडीयुरप्पा, डी.वी. सदानंद गौड़ा, प्रदेश अध्यक्ष नलिन कुमार कटील और कई विधायकों व सांसदों ने विरोध प्रदर्शन किया।

हाथों में तख्तियां लिए दोनों दलों के नेताओं ने कांग्रेस सरकार, उपमुख्यमंत्री और जल संसाधन मंत्री डी.के. शिवकुमार के खिलाफ नारे लगाए। पिछले हफ्ते नयी दिल्ली में कुमारस्वामी की गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा के साथ बैठक के बाद जद (एस) ने भाजपा से गठबंधन करने का फैसला लिया था।

येडीयुरप्पा ने कहा, यह कांग्रेस सरकार, विशेष रूप से (मुख्यमंत्री) सिद्दरामैया और (उपमुख्यमंत्री) डीके शिवकुमार (तमिलनाडु में सत्तारूढ़ पार्टी) द्रमुक के एजेंटों की तरह व्यवहार कर रहे हैं और उन्होंने राज्य के हितों की उपेक्षा की है। (विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' में शामिल) द्रमुक के साथ उनके (कांग्रेस की) आपसी तालमेल के कारण वे कर्नाटक के लोगों को धोखा दे रहे हैं, मैं इसकी निंदा करता हूं। कावेरी जल विनियमन समिति ने मंगलवार को सिफारिश की थी कि कर्नाटक 28 सितंबर से 15 अक्टूबर तक तमिलनाडु को 3,000 क्यूसेक कावेरी पानी छोड़े। समिति की इस सिफारिश के बाद कर्नाटक में विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं।

सड़क दुर्घटना में चार तकनीकी विशेषज्ञों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मंड्या। एक्सेंचर और इंफोसिस में काम करने वाले चार तकनीकी विशेषज्ञों की बुधवार को सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। तकनीकी विशेषज्ञों की तेज रफ्तार कार कर्नाटक सड़क परिवहन निगम (केएसआरटीसी) की बस से टकरा गई थी, जिससे उनकी मौत हो गई। मृतकों की पहचान नमिता, रघुनाथ भजंत्री, पंकज शर्मा और वामसी कृष्णा के रूप में हुई है। इन सभी की उम्र 30 से 35 साल के बीच थी। नमिता और रघुनाथ भजंत्री ने एक्सेंचर, वहीं पंकज और वामसी इंफोसिस के साथ काम करते थे। यह घटना मंड्या जिले में बेंगलूरु–मंगलूरु राष्ट्रीय राजमार्ग–75 पर बेल्लूर क्रॉस के पास हुई। पुलिस के मुताबिक, शवों को क्षतिग्रस्त कार से बाहर निकाला गया। यह दुर्घटना तब हुई जब हासन से बेंगलूरु की ओर जा रही बस यात्रियों के उतरने के लिए आदिचुंचनगिरी मेडिकल अस्पताल के पास रुकी। कार के चालक ने तेज रफ्तार वाहन पर नियंत्रण खो दिया और बस से जा टकराई।

उडुप्पी की यात्रा के बाद तकनीकी विशेषज्ञ बेंगलूरु की ओर भी जा रहे थे। नमिता बेंगलूरु के बाहरी इलाके बेंडिगनहल्ली की रहने वाली थीं, जबकि पंकज शर्मा राजस्थान से थे। वामसी कृष्णा बेंगलूरु के पास होसकोटे के रहने वाले थे और रघुनाथ भजंत्री धारवाड़ के रहने वाले थे। टक्कर से कार का आधा हिस्सा बस के नीचे चला गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और आगे की जांच शुरू कर दी है।

भाजपा सांसद ने कर्नाटक के मंत्री, विधायक और एसपी के खिलाफ राज्यपाल को सौंपी शिकायत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जनता दर्शन के दौरान हुए हंगामे को लेकर कोलार लोकसभा सीट का प्रतिनिधित्व करने वाले भाजपा सांसद मुनीस्वामी ने कांग्रेस मंत्री, कोलार विधायक और पुलिस अधीक्षक (एसपी) के खिलाफ कर्नाटक के राज्यपाल थावर चंद गहलोत को शिकायत सौंपी है। जनता दर्शन के दौरान हुए हंगामे को लेकर शहरी विकास और नगर नियोजन मंत्री बिरथी सुरेश, विधायक नारायणस्वामी और एसपी एम. नारायण के खिलाफ शिकायत दी गई है। मुनीस्वामी ने आरोप लगाया कि हाल में कोलार में आयोजित एक सार्वजनिक कार्यक्रम, जनता दर्शन में उन पर हमला और अपमान किया गया। उन्होंने शिकायत की है कि मंत्री बिरथी सुरेश, विधायक नारायणस्वामी और एसपी नारायण ने उनके खिलाफ असंवैधानिक व्यवहार किया।

बीजेपी एमएलसी चलुवादी नारायणस्वामी और केशव प्रसाद समेत 30 सदस्यों के प्रतिनिधिमंडल ने राजभवन में राज्यपाल से मुलाकात की और शिकायत दी। सांसद मुनिस्वामी ने कहा, उपरोक्त व्यक्तियों ने एक जन प्रतिनिधि के साथ असंवैधानिक व्यवहार किया है और उनके खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए। संविधान सत्ताधारी दल के साथ विपक्षी दल को भी समान अधिकार देता है।

सांसद मुनिस्वामी ने कहा, मैंने दावा किया कि कोलार जिले के किसानों की जमीन पर कब्जा कर लिया गया है। उन्हें जबरदस्ती खाली कराया गया। मैंने कहा कि जमीन हड़पने वाले मंच पर हैं। इसमें गलत क्या है? उन्होंने कहा, मैंने ले–आउट की स्थापना के संबंध में जांच की मांग की। कोलार विधायक नारायणस्वामी और मंत्री बिरथी सुरेश ने मुझे धक्का देकर बाहर निकाला। इसलिए, मैंने उनके खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। मुझे बाहर निकालने के लिए मैं कोलार एसपी के खिलाफ एक विशेषाधिकार प्रस्ताव भी ला रहा हूं। मैं लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से भी शिकायत करूंगा। घटना पिछले सोमवार को हुई जब कांग्रेस सरकार द्वारा लोगों से सीधे मिलने और उनकी शिकायतों को दूर करने के लिए जनता दर्शन बैठक आयोजित की गई थी। जैसे ही मुनिस्वामी ने बताया कि मंच पर जमीन हड़पने वाला बैठा है तो बैठक कैसे हो सकती है, लोगों को क्या समाधान मिल सकता है, विधायक नारायण स्वामी उन पर झपट पड़े। दोनों ने एक दूसरे के खिलाफ अभद्र शब्दों का इस्तेमाल किया।

मुनिस्वामी ने बाद में दावा किया कि विधायक नारायणस्वामी को स्वतंत्र रूप से जाने की अनुमति दी गई थी। लेकिन, एसपी ने उन्हें कार्यक्रम स्थल से बाहर धकेल दिया। उन्होंने दावा किया कि दलित सांसद होने के कारण उनके साथ ऐसा व्यवहार किया गया।

उद्घाटन

बुधवार को बेंगलूरु के इंदिरा गांधी म्यूजिक फाउंटेन पार्क में विश्व पर्यटन दिवस का उद्घाटन मंत्री एचके पाटिल ने किया।

तमिलनाडु के लिए पानी छोड़ने के निर्देश को उच्चतम न्यायालय में चुनौती दी जाएगी : सिद्दरामैया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चामराजनगर। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने बुधवार को कहा कि तमिलनाडु के लिए पानी छोड़ने के कावेरी जल विनियमन समिति (सीडब्ल्यूआरसी) के निर्देश को उच्चतम न्यायालय में चुनौती दी जाएगी। समिति ने कर्नाटक को 28 सितंबर से 15 अक्टूबर के बीच पड़ोसी राज्य तमिलनाडु को 3,000 घन फुट प्रति सेकंड (क्यूसेक) की दर से पानी छोड़ने का निर्देश दिया है। सिद्दरामैया ने कहा कि उन्होंने प्रदेश की कानूनी टीम से बात की है और उसने इस निर्देश को सर्वोच्च अदालत में चुनौती देने की राय दी है। उन्होंने इस जिले के माले महादेश्वर हिल्स में संवाददाताओं से बातचीत करते कहा, 'हम विनियमन समिति के आदेश को सर्वोच्च अदालत में चुनौती दे रहे हैं। हमारे पास देने के लिए पर्याप्त पानी नहीं है।' उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने सीडब्ल्यूआरसी द्वारा तमिलनाडु के अनुरोध को खारिज करने पर मंगलवार को संतोष जताया था। तमिलनाडु की मांग थी कि कर्नाटक 12,000 क्यूसेक पानी छोड़े। समिति ने कर्नाटक को 3,000 क्यूसेक पानी छोड़ने की सिफारिश की। कर्नाटक के अधिकारियों के अनुसार, इस वर्ष दक्षिण–पश्चिम मानसून (जून से सितंबर तक) के दौरान काफी कम बारिश होने से राज्य के चार अहम जलाशयों में पानी का पर्याप्त भंडार नहीं है। अधिकारियों के अनुसार राज्य में इतनी गंभीर स्थिति है कि सिंचाई के लिए पानी की आपूर्ति तो दूर, पेयजल की जरूरतों को पूरा करने में परेशानी आ रही है।

भाजपा के साथ गठबंधन के बाद जदएस के अल्पसंख्यक नेता ने पार्टी छोड़ी

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। कर्नाटक में पार्टी का गढ़ माने जाने वाले तुमकुरु जिले के जद (एस) उपाध्यक्ष ने बुधवार को भाजपा के साथ पार्टी के गठबंधन के विरोध में अपने पद से इस्तीफा दे दिया। प्रमुख अल्पसंख्यक नेता एस. शफ़ी अहमद ने पूर्व प्रधान मंत्री एच.डी. देवेगौड़ा और पूर्व मुख्यमंत्री एच.डी. कुमारस्वामी को व्हाट्सएप पर अपना त्यागपत्र भेजा। अपने दो लाइन के इस्तीफे पत्र में अहमद ने कहा कि वह तत्काल प्रभाव से जद (एस) पार्टी और उपाध्यक्ष पद से इस्तीफा दे रहे हैं। पिछले विधानसभा चुनाव में वह कांग्रेस पार्टी छोड़कर जद(एस) में शामिल हो गये थे। हालाँकि, उनके भविष्य के कदम के बारे में कोई स्पष्टता नहीं है।

लोकसभा चुनाव से पहले पार्टी द्वारा भाजपा से हाथ मिलाने का फैसला करने के बाद जद (एस) पार्टी के अल्पसंख्यक नेताओं ने एक बैठक की। इस बीच, पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सी.एम. इब्राहिम ने अभी तक इस घटनाक्रम पर कोई टिप्पणी नहीं की है लेकिन सूत्रों का दावा है कि वह भी पार्टी छोड़ने पर विचार कर रहे हैं।

गठबंधन की घोषणा से पहले इब्राहिम के बिना नई दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के साथ बातचीत करने के देवेगौड़ा परिवार के कदम ने अल्पसंख्यक कैडर को नाराज कर दिया है।

जनता दल (एस) की कर्नाटक इकाई के उपाध्यक्ष सैयद शफीउल्ला साहब ने पिछले शनिवार को भगवा पार्टी के साथ गठबंधन पर नाखुशी व्यक्त करते हुए पार्टी से इस्तीफा दे दिया था।

दक्षिण पश्चिम रेलवे G2C
बिड संख्या: GEM/2023/B/3991638
दिनांक: 21.09.2023
भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं:

कार्य का नाम	अनुमानित लागत
बेंगलूरु विभाग पर गति शक्ती य बेंगलूरु - अधिकारियों / पर्यवेक्षकों और वित्त सहयोगियों के लिए आधिकारिक उपयोग के लिए वाहनों को 24 महिने (दो साल) की अवधी के लिए किराये पर लेना का प्रक्रिया।	रु. 2,42,27,652/-

निविदाओं जमा करने की अंतिम तिथि: 20.10.2023, 11.00 बजे तक
विवरण के लिए लॉग ऑन करें https://gem.gov.in में कोई शुद्धीपत्र के लिए वेबसाईट को संदर्शन करते रहें
उप मुख्य इलेक्ट्रिकल इंजीनियर
गति शक्ती यूनिट, बेंगलूरु
PUB/407/AAD/PRB/SWR/2023-24
South Western Railway - SWR | @SWRRLY | SWRRLY

दक्षिण पश्चिम रेलवे G2C
ई-निविदा सूचना सं: CAO/CN/BNC/EPC/72/2023 दिनांक: 25.09.2023
भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं:

क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत
1	बागलकोट-कुडची नई लाईन: सुत्तट्टी और कुडची स्टेशनों पर चै. 134.000 से 142.00 तक (सुत्तट्टी और कुडची यार्ड सहित) अर्थ वर्क, ब्लैंकेटिंग, मैनर ब्रिजों, रास्ता अंडर / ओवर ब्रिजों, एप्रोच के साथ, पी.वे. कार्यों, बॉलास्ट का आपूर्ती और प्लैटफॉर्म का निर्माण, स्टेशन बिल्डिंग, पीएफ शेल्टर, यात्रियों का सुविधाएँ एवं एप्रोच रोड का कार्यों के साथ साथ. (निविदा उल्लेख सं: BGK-KUD-44)	रु. 1,17,49,67,302/-
2	यशवंतपुर: यशवंतपुर में मार्केट का साईड प्रवेश पर फॉल्स फैकेड का निर्माण कार्य। (निविदा उल्लेख सं: YPR-STATION-FALSE-FACADE)	रु. 6,72,48,680/-

निविदाओं जमा करने की अंतिम तिथि: 16.10.2023, 15.00 बजे तक
विवरण के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in में
उप मुख्य इंजीनियर / निर्माण / कार्य
बेंगलूरु छावनी
PUB/408/AAD/PRB/SWR/2023-24
South Western Railway - SWR | @SWRRLY | SWRRLY

दक्षिण पश्चिम रेलवे G2C
निविदा सूचना सं. 13/SBC/23
दिनांक: 21.09.2023
अधोहस्ताक्षरी, भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदा आमंत्रित करते हैं:

क्र	कार्यों का नाम	अनुमानित मूल्य
1	वरिष्ठ मंडल अभियंता/उत्तर/बेंगलुरु खंड: उप कार्य I: बैय्यप्पनहल्ली - धर्मावरम अनुभाग: सहायक मंडल अभियंता/हिंदूपुर उप-मंडल में किमी 53/000-150 पर चरणबद्ध कटिंग द्वारा ढलान स्थिरीकरण और कैच ड्रेन का प्रावधान। उप कार्य II: बैय्यप्पनहल्ली - धर्मावरम खंड: सहायक मंडल अभियंता/हिंदूपुर उप-मंडल में किमी 57/500-800 पर समतलीकरण द्वारा स्टेप कटिंग द्वारा ढलान स्थिरीकरण, कैच वॉटर ड्रेन और साइड ड्रेन सह आरसीसी रिटेनिंग दीवार का निर्माण। उप कार्य III: बैयप्पनहल्ली-धर्मावरम खंड: सहायक मंडल अभियंत/हिंदूपुर उपमंडल में ढलान को समतल करके कट्टिंग का ढलान स्थिरीकरण, रेल बैरिकेडिंग और किमी 59/480-680 पर साइड ड्रेन सह रिटेनिंग दीवार का प्रावधान। उप कार्य IV: बैय्यप्पनहल्ली - धर्मावरम खंड: सहायक मंडल अभियंता/हिंदूपुर उप-मंडल में किमी 56/400-720 और 59/680-60/800 पर रेल बैरिकेडिंग एवं जल निकासी द्वारा कट्टिंग पर ढलान संरक्षण कार्य। उप कार्य V: बैय्यप्पनहल्ली - धर्मावरम खंड: सहायक मंडल अभियंता/हिंदूपुर उपमंडल में किमी 55/250-350 पर विस्तृत जल निकासी और रेल बैरिकेडिंग के प्रावधान द्वारा कमजोर कटिंग पर ढलान स्थिरीकरण। उप कार्य VI: बैय्यप्पनहल्ली - धर्मावरम खंड: सहायक मंडल अभियंता/हिंदूपुर उपमंडल में किमी 55/900-56/100 पर स्टेप कटिंग द्वारा रिप्रोफाइलिंग द्वारा ढलान स्थिरीकरण और जल निकासी का प्रावधान। उप कार्य VII: सहायक मंडल अभियंता/हिंदूपुर उपमंडल में किमी 54/650-750 पर ट्रेंच और रेल बैरिकेडिंग द्वारा कट्टिंग में ढलान स्थिरीकरण का काम और और किमी 55/150-250 पर फ्लैटनिंग और कैच जल निकासी। रखरखाव की अवधि 6 महीने या एक मानसून अवधि, जो भी बाद में हो।	रू. 9,10,62,005/-
2	बेंगलुरु - अरसीकेरे और येलहंका - चिंतामणि खंड: लेवल क्रॉसिंग पर अप्रोच सड़कों की सरफेसिंग - कुल 39 संख्या। रखरखाव की अवधि 12 महीने है.	रू. 1,77,80,868/-
3	सहायक मंडल अभियंता/हिंदूपुर उपमंडल: हिंदूपुर स्टेशन और कॉलोनी और श्री सत्य साईं प्रशांति निलयम स्टेशन और कॉलोनी में जल आपूर्ति के लिए नियंत्रण और निगरानी प्रणाली की आपूर्ति और स्थापना। रखरखाव की अवधि 12 महीने है.	रू. 27,01,138/-
4	बेंगलुरु डिवीजन: येलहंका-पीएफ शेल्टर का प्रस्तावित प्रावधान पीएफ-1 -360 वर्गमीटर, पीएफ-2 और 3 - 452 वर्गमीटर, पीएफ-4 और 5 - 449 वर्गमीटर। कुल - 1261 वर्गमीटर। रखरखाव की अवधि 8 महीने है.	रू. 1,14,58,341/-
5	वरिष्ठ मंडल अभियंता/पश्चिम/बेंगलुरु अनुभाग: केंगेरी - केंगेरी स्टेशन पर कोच वॉटरिंग सुविधाओं का प्रस्तावित प्रावधान। रखरखाव की अवधि 6 माह है.	रू. 1,86,13,636/-

बोली जमा करने की अंतिम तिथि: 16.10.2023 की 15:00 बजे तक।
विवरण के लिए लॉग ऑन करें: www.ireps.gov.in
वरिष्ठ मंडल अभियंता / को-आर्ड
बेंगलुरु
PUB/403/AAV/PRB/SWR/2023-24
S.W.Railways SWRRLY SWRRLY

बेंगलूरु | गुरुवार | 28-09-2023 www.dakshinbharat.com /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मूंगफली अनुसंधान संस्थान के दूरगामी परिणाम होंगे : धनखड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बीकानेर। भारत के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने आज बीकानेर में क्षेत्रीय मूंगफली अनुसंधान केंद्र का लोकार्पण किया। इस लोकार्पण के मौके पर बीकानेर के सांसद और संसदीय कार्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल की तारीफ करते हुए उन्होंने कहा कि अर्जुन राम मेघवाल ने भारत की संसद में महिला आरक्षण विधेयक पेश करके एक ऐतिहासिक कदम उठाया है। उन्होंने आगे कहा कि आपके इस सपूत ने देश की आधी आबादी को उनके हक दिलाने के लिए इतिहास रच दिया है, ऐसा इतिहास जिसका लोगों को वर्षों से इंतजार था, जो काम और कई लोग नहीं कर पाए वह काम मेघवाल जी ने करके दिखाया है। उपराष्ट्रपति ने बीकानेर की नमकीन, भुजिया और रसगुल्ले की तारीफ करते हुए मूंगफली ब्रांडिंग की बात कही उन्होंने कहा कि बीकानेर की मूंगफली की ब्रांडिंग की जाएगी और यह काम मैं अर्जुन राम मेघवाल जी को सौंपता हूं। उन्होंने आगे यह भी कहा कि मूंगफली की ब्रांडिंग का काम यहां से शुरू होना चाहिए और इस क्षेत्र में व्यापार की बहुत सी संभावनाएं हैं। अपने संबोधन में आगे उपराष्ट्रपति ने कहा कि मूंगफली को बादाम और काजू से ज्यादा पसंद किया जाता है और इसमें बहुत से पोषक तत्व होते हैं।

उपराष्ट्रपति ने कार्यक्रम में उपस्थित सांसद कैलाश चौधरी की तारीफ करते हुए कहा कि जब कैलाश चौधरी की कृषि राज्य मंत्री थे उस समय प्रधानमंत्री ने संयुक्त राष्ट्र संघ में मोटे अनाज अर्थात बाजारा के महत्व को दुनिया के सामने बताते हुए संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा वर्ष 2023 को अंतरराष्ट्रीय बाजार वर्ष घोषित कराया और यह वर्ष अंतर्राष्ट्रीय मोटे अनाज वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है।

प्रधानमंत्री जी द्वारा मोटे अनाज को बढ़ावा दिए जाने की तारीफ करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि आज देश के प्रतिष्ठित होटल भी अपने व्यंजनों की सूची में मोटे अनाज से बने व्यंजनों को प्रमुखता से शामिल कर रहे हैं, और यह एक बहुत बड़ी उपलब्धि है। उपराष्ट्रपति ने जी-20 की अध्यक्षता की सफलता की तारीफ करते हुए कहा कि भारत ने वह करके दिखाया जिसकी कभी किसी ने कल्पना नहीं की थी, भारत ने इतना सफल कार्यक्रम आयोजित किया है कि पूरी दुनिया देखकर दंग रह गई है।आगे उन्होंने कहा कि आपको जानकर प्रसन्नता होगी कि जी-20 के की अध्यक्षता में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में दुनिया के नेताओं को मोटे अनाज से बने हुए व्यंजन परोसे गए। उन्होंने कहा कि जी-20 जैसे वैश्विक कार्यक्रमों में मोटे अनाज से बने व्यंजनों का परोसा जाना, हर गांव, गरीब और किसान के लिए एक सम्मान की बात है।

उपराष्ट्रपति ने 60 के दशक में देश में अनाज संकट के दौरान भारत के प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री जी के उस आह्वान को याद किया जिसमें उन्होंने देश के नागरिकों से एक दिन का उपवास करने का आह्वान किया था, और उनके आह्वान पर देश के किसानों ने संकल्प लिया और आज हमारे किसानों के पसीने और मेहनत की बदौलत देश न सिर्फ खाद्यान्न में आत्मनिर्भर बना है बल्कि आज दुनिया को भारत खाद्यान्न का निर्यात भी कर रहा है।

अपने संबोधन के दौरान उपराष्ट्रपति ने कहा कि आपको जानकर प्रसन्नता होगी कि 1 अप्रैल 2020 से प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना के तहत 80 करोड़ से ज्यादा लोगों को मुफ्त में राशन दिया जा रहा है और यह हमारे किसान भाइयों की कड़ी मेहनत की वजह से ही संभव हो पाया है। उन्होंने आगे कहा कि किसान कल्याण के लिए सरकार ने कई कदम उठाए हैं, पीएम किसान सम्मन निधि उनमें से एक है जिसके तहत साल में तीन बार किसानों के खाते में सीधे सहायता भेजी जा रही है। उपराष्ट्रपति ने देश में तकनीकी विकास की तारीफ करते हुए कहा कि आज हमारा किसान तकनीक से इतना जुड़ा हुआ है कि उसे सरकारी सहायता प्राप्त करने में किसी बिचौलिए की आवश्यकता नहीं है, और ना कोई कमीशन देना पड़ता है तकनीक अपनाने के लिए मैं किसानों को बहुत धन्यवाद देता हूं।

केंद्र सरकार जांच एजेंसियों के माध्यम से मुझे परेशान कर रही है : राजेन्द्र यादव

जयपुर/दक्षिण भारत । राजस्थान के उच्च शिक्षा एवं गृह राज्य मंत्री राजेंद्र यादव ने मंगलवार को केंद्र सरकार पर केंद्रीय जांच एजेंसियों के माध्यम से उन्हें परेशान करने का आरोप लगाया। यादव ने कहा कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की एक टीम ने कोटपुतली-बहरोड़ में उनके आवास और अन्य परिसरों पर तलाशी ली है। उन्होंने कहा कि पिछले साल आयकर विभाग ने उनके परिसर पर तलाशी अभियान चलाया था और अब ईडी आ गयी है।

उन्होंने संवाददाताओं से बातचीत में कहा, हर किसी को व्यवसाय करने का अधिकार है। हमने कुछ भी गलत नहीं किया है। ईडी कार्रवाई कर दबाव बढ़ा रही है। हमने कोई भ्रष्टाचार या गलत काम नहीं किया है। मेरे दोनों बेटों के मोबाइल जब्त कर लिए गए हैं।' उन्होंने कहा कि ईडी की टीम ने आज उनके बेटों के आवासों पर तलाशी ली। मंत्री ने कहा, सत्य परेशान हो सकता है लेकिन पराजित नहीं हो सकता। ये सब रिकॉर्ड पर है। मेरे बेटे व्यवसाय करते हैं। हम वर्षों से व्यवसाय कर रहे हैं। यह कार्रवाई केंद्र सरकार की नीति और मंशा को दर्शाती है।

विधानसभा चुनाव से पहले केंद्रीय जांच एजेंसियों द्वारा कार्रवाई की जाती है। राजस्थान में इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने हैं। 'मैं कानूनी लड़ाई लड़ूंगा, पार्टी मेरे साथ है। मैं अपना शोषण नहीं होने दूंगा।' उन्होंने कहा कि ईडी ने मध्याह्न भोजन (मिड डे मील) के लिए सामग्री की आपूर्ति के संबंध में तलाशी ली है, लेकिन न तो वह और न ही उनके परिवार का कोई सदस्य मध्याह्न भोजन में आपूर्तिकर्ता था और उन्हें जानबूझकर निशाना बनाया जा रहा है।

लोकतंत्र और विकास का हत्यारा है भ्रष्टाचार : उपराष्ट्रपति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने भ्रष्टाचार को 'लोकतंत्र एवं विकास' का हत्यारा करार देते हुये बुधवार को कहा कि कोई भी व्यक्ति कानून से ऊपर नहीं है। उपराष्ट्रपति ने बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस (बिट्स) पिलानी के छात्रों, कर्मचारियों और संकाय सदस्यों को संबोधित करते हुए यह बात कही। सरकारी बयान के अनुसार उपराष्ट्रपति ने भ्रष्टाचार को 'लोकतंत्र और विकास का हत्यारा' करार देते हुए कहा कि हाल के वर्षों में, सत्ता के दलालों के प्रभाव वाले सत्ता गलियारों को बेअसर करने के लिए महत्वपूर्ण प्रगति की गई है।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि कोई भी व्यक्ति कानून से ऊपर नहीं है, इसके साथ ही उन्होंने नागरिकों से 'हमारे संस्थानों को कलंकित करने, बदनाम करने और कमजोर करने वाले भारत विरोधी वक्तव्यों' का सक्रिय रूप से मुकाबला करने का आह्वान किया। धनखड़ ने इस बात पर जोर दिया कि जब तक पचास प्रतिशत मानवता के लिए न्याय सुनिश्चित नहीं किया जाता तब तक समाज का विकास नहीं हो सकता।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम को एक 'युगीन विकास' के रूप में पारित किये जाने की सराहना करते हुए, उपराष्ट्रपति ने जोर देकर कहा कि यह विधेयक महिलाओं के अधिकारों की मान्यता और उनके अधिकार की पुष्टि है। उपराष्ट्रपति ने लोगों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए शिक्षा को सबसे 'प्रभावी और प्रभावशाली' तंत्र बताया, जिससे भारत के विकास में तेजी आएगी। जी-20 की अध्यक्षता में भारत की सफलता पर प्रकाश डालते हुए, धनखड़ ने इस बात पर जोर दिया कि जी-20 सदस्य के रूप में अफ्रीकी संघ को शामिल करना भारत के सभ्यतागत लोकाचार के साथ गहराई से मेल खाता है।

भारत-यूरोप आर्थिक गलियारे (आईएमईसी) पर हस्ताक्षर को वैश्विक 'गेम चेंजर' के रूप में स्वीकार करते हुए, उपराष्ट्रपति ने रेखांकित किया कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत द्वारा निभाई गई भूमिका ने 'ग्लोबल साउथ' को विश्व मंच पर एक मजबूत आवाज दी है। धनखड़ ने बाद में बीकानेर में केंद्रीय शुष्क बागवानी संस्थान (आईसीएआर) के क्षेत्रीय मूंगफली अनुसंधान केंद्र का लोकार्पण किया। इसके साथ ही उन्होंने संस्थान के प्रशिक्षु गृह का लोकार्पण भी किया। इस अवसर पर उपराष्ट्रपति ने कहा कि किसान को सशक्त करने के लिए सरकार ने कई कदम उठाये हैं। किसान सम्मान निधि के जरिये किसान के खाते में सीधे पैसे आते हैं। उन्होंने कहा,'हमारा किसान आज के दिन स्वयं टेक्नोलॉजी से जुड़ा हुआ है! कोई बिचौलिया नहीं है, ये किसान की उपलब्धि है।'

हमारी सरकार की कोई योजना बंद नहीं करने की गारंटी दें मोदी : गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बुधवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को राज्य की जनता को यह गारंटी देनी चाहिए कि वह मौजूदा कांग्रेस सरकार की किसी योजना को बंद नहीं करेंगे और इसके बाद यहां आकर वोट मांगे। इसके साथ ही गहलोत ने उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के बार-बार राज्य के दौरों पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि जनता सब समझती है। गहलोत जयपुर के बिड़ला ऑडिटोरियम में मिशन 2030 के लिए जनसंवाद कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, 'प्रधानमंत्री जी मैं आपसे आग्रह करता हूं कि अगली बार जब आप आएं तो... आप आजकल गारंटी देते हैं तो आप एक गारंटी दीजिए कि (आप की) सरकार आएगी तो हमारी (मौजूदा कांग्रेस) सरकार की कोई योजना बंद नहीं होगी, जो कानून बने हैं बने रहेंगे।'

गहलोत ने कहा कि उनकी सरकार ने 25 लाख रुपए का स्वास्थ्य बीमा व पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) बहाल करने जैसे फैसले किए हैं जिन्हें केंद्र सरकार क्यों नहीं कर रही जबकि केंद्र की जिम्मेदारी हमसे बड़ी होती है। उन्होंने कहा, 'प्रधानमंत्री मोदी जी कहें कि (भाजपा की) सरकार आएगी तो राजस्थान में ओपीएस लागू रहेगी, कानून बनाए हमने वे लागू रहेंगे... मैंने जो स्कीमें लागू की वें लागू रहेंगी... यह प्रधानमंत्री मोदी को आकर कहना चाहिए। तब उनका अधिकार है यहां चुनाव प्रचार करने का।'

उन्होंने कहा,'आएंगे लच्छेदार बातें करेंगे, आप जानते हो मार्केटिंग के तो उस्ताद हैं वो। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी देश में मार्केटिंग के गुरु हैं, ये मैं कह सकता हूं। उनकी भाषा, उनकी शैली उनके बोलने का तरीका आप जानते हो क्या है।' गहलोत ने कहा, 'हमने जो कदम उठा लिए हैं पहले प्रधानमंत्री मोदी जी आप भी लागू करो केंद्र में। फिर आप यहां आइए हम आपका स्वागत करते हैं कहिए कि आप राजस्थान सरकार ने जो जनकल्याण के तमाम फैसले किए हैं वो हमने भी लागू कर दिए हैं केंद्र में, फिर आकर यहां वोट मांगिएगा और कहिएगा कि कोई भी वादा जो किया यहां सरकार फैसले किए एक भी फैसला हम बंद नहीं करेंगे ये विश्वास आप जनता को दिलाओ फिर आकर वोट मांगों ये मेरा मानना है।'

इसके साथ ही गहलोत ने उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के बार बार राज्य में आने पर भी सवाल उठाया। गहलोत ने कहा,'प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस साल में नौ बार राजस्थान आ चुके हैं। उपराष्ट्रपति जी तो अप-डाउन ही कर रहे हैं। आज उनके पांच जगह कार्यक्रम है। चाहे राज्यपाल साहब हों या उपराष्ट्रपति हो हम सम्मान करते हैं...अब चुनाव आ गए हैं। मैं चाहूंगा कि उपराष्ट्रपति जी कृपया करके अभी मेहरबानी रखें। अभी जो बार बार सुबह शाम आ रहे हैं, दौरे कर रहे हैं... कोई तुक नहीं है। क्या तुक है? चुनाव चल रहे हैं राजस्थान में आप बार बार आएंगे तो लोग क्या समझेंगे आपके बारे में? आप चाहते क्या हो? जनता सब समझती है।'

राज्य में इस साल के आखिर में विधानसभा चुनाव होने हैं। इसका जिक्र करते हुए गहलोत ने कहा कि राज्य में ऐसा माहौल बन गया है कि 'जब मैं कहता हूं कि सरकार इस बार आ सकती है तो लोग कहते हैं कि सरकार आ सकती नहीं, सरकार आ रही है। इसका मतलब है कि मामला इस बार ठीक हो सकता है, अगर आप सब का आशीर्वाद मिला तो।'

साइबर ठग को पकड़ने गई सीआईडी टीम को गांव वालों ने घेरकर आरोपी को छुड़ाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के अलवर जिले के सदर थाना क्षेत्र के लोहरवाडी गांव में साइबर ठग को पकड़ने गई अपराध अन्वेषण विभाग सीआईडी की एक टीम को गांव वालों ने घेर लिया और आरोपी को छुड़ा कर फरार हो गये। थानाधिकारी दिनेश चंद्र ने बुधवार को बताया कि घटना सोमवार शाम की है जब साइबर ठग मुबीन को पकड़ने के लिये सीआईडी की टीम लोहारवाडी गांव पहुंची। टीम को देख आरोपी युवक मुबीन और उसके दो साथी शाहरुख एवं अख्तर भागने लगे। इस पर, टीम ने पीछा कर मुबीन को पकड लिया, जबकि दो युवक शाहरुख और अख्तर फरार हो गये।

उन्होंने बताया कि मुबीन को पकड़ने पर गांव वालों ने टीम को घेर लिया और आरोपी को उनसे छुड़ा कर ले गये । उन्होंने बताया कि टीम को एक बैग मिला है जिसमें छह लाख 93 हजार 500 रुपये बरामद किये गये हैं। उन्होंने बताया कि सीआईडी टीम को सूचना मिली थी कि आरोपी मुबीन अपना गिरोह बनाकर साइबर धोखाधड़ी में लिप्त है, और लोगों को ब्लैकमेल कर उनसे रकम ठगने का काम करता है।

उन्होंने बताया कि आरोपियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 420 (धोखाधड़ी), 406 (किसी दूसरे व्यक्ति के साथ में विश्वास या भरोसे पर दी गई संपत्ति का गलत प्रयोग करता है या उसको बेच देता है), 332 (लोक सेवक अपने कर्तव्य से भयोपरत करने के लिए स्वेच्छा से चोट पहुँचाना), 353 (कर्तव्यों के निर्वहन में बाधा डालने के लिए लोक सेवक पर चोट या गंभीर चोट पहुंचाकर हमले का अपराध करना) के तहत मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश की जा रही है।

जयपुर में बुधवार को अपने आवास पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं से मुलाकात करते पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट।

किसानों की जमीन कुर्की रोकने के लिए बनाया कानून : गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि राज्य सरकार ने कृषकों और पशुपालकों के कल्याण के लिए अभूतपूर्व फैसले किए हैं। देश में पहली बार अलग से कृषि बजट, कृषक कल्याण कोष का गठन, 2000 यूनिट प्रति माह निःशुल्क कृषि बिजली जैसे निर्णयों से किसानों को सम्बल मिला है। गहलोत बुधवार को चौमूं के खेल स्टेडियम में राजस्थान मिशन-2030 के तहत कृषि एवं बागवानी से जुड़े किसानों से संवाद कार्यक्रम को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने किसानों और पशुपालकों से आह्वान किया कि वे राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाएं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान कृषि प्रसंस्करण, कृषि व्यवसाय एवं कृषि निर्यात प्रोत्साहन योजना के द्वारा कृषक स्वयं अपने उत्पादों की प्रोसेसिंग और मार्केटिंग कर रहे हैं। इस योजना में प्रसंस्करण इकाई स्थापित करने के लिए 2 करोड़ रुपए तक अनुदान दिया जा रहा है। प्राकृतिक आपदाओं से हुए नुकसान पर भी सरकार द्वारा सर्वे कराकर राहत प्रदान की गई है। कृषि यंत्रों की खरीद पर अनुदान दिया जा रहा है। 40 हजार रुपए प्रति दुधारू पशु बीमा उपलब्ध कराने वाली कामधेनु पशु बीमा योजना वरदान साबित हो रही है। साथ ही, लम्पी रोग से मृत गायों के लिए 40-40 हजार रुपए का मुआवजा दिया गया है।

राज्य सरकार द्वारा किसानों की जमीन की कुर्की रोकने सम्बंधित कानून बनाया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले 5 साल में 51 कृषि महाविद्यालय खोले गए हैं, जहां विद्यार्थी कृषि क्षेत्र में भविष्य संवार रहे हैं। उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार ने 5 साल में लगभग 500 करोड़ रुपए गौवंश के लिए दिए। वहीं, वर्तमान सरकार द्वारा अब तक लगभग 3 हजार करोड़ रुपए का अनुदान दिया जा चुका है। गहलोत ने कहा कि महात्मा गांधी नरेगा योजनान्तर्गत राजस्थान में 125 दिन के रोजगार से ग्रामीणों को आर्थिक सम्बल मिला है। उन्होंने कहा कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की चर्चा पूरे देश में हो रही है।

कार्यक्रम में किसानों ने मुख्यमंत्री को अपने नवाचारों और राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ उठाकर आय में हुई वृद्धि के बारे में बताया। इस दौरान उद्यानिकी विभाग के अधिकारियों ने विभाग से संबंधित योजनाओं, नवाचारों तथा उपलब्धियों के बारे में मुख्यमंत्री को जानकारी दी।

प्रदेश आर्थिक आपातकाल की ओर बढ रहा है : राठौड़

अजमेर। राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र सिंह राठौड़ ने राज्य की गहलोत सरकार पर सरकारी धन के दुरूपयोग का आरोप लगाते हुए कहा है कि प्रदेश आर्थिक आपातकाल की ओर बढ़ रहा है। अजमेर आये राठौड़ ने आज यहां भूणाबाय स्थित भाजपा कार्यालय पर राजस्थान चुनाव-2023 की चुनाव रणनीति और तैयारियों को लेकर स्थानीय नेताओं की अहम बैठक ली और मार्गदर्शन किया। बाद में पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि संगठन की परिवर्तन संकल्प यात्रा तथा बाद में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सभा में जनता को अभूतपूर्व सहयोग एवं समर्थन मिला, उससे कांग्रेस राज की विदाई तय है। राठौड़ ने राज्य की महिलाओं को स्मार्ट फोन योजना में मोबाइल फोन खरीद में भारी घोटाले का आरोप लगाया, उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने प्रदेश की 1करोड़ 35 लाख महिलाओं को मोबाइल फोन देने की घोषणा की, लेकिन फिर पलट गये 40 लाख मोबाइल पर आ गये, उसमें से भी केवल 18 लाख मोबाइल वितरित किए गए। उन्होंने आरोप लगाया कि जो मोबाइल दिये जख रहे हैं उसमें 2जी स्पैक्ट्रम उपकरण लगे है जो घटिया एवं ठीक नहीं हैं। मुख्यमंत्री मोबाइल योजना में प्रदत्त अजमेर के वार्ड 80 में फटे मोबाइल का भी उन्होंने जिक्र किया, जिसके कारण महिला का कमरा जल गया।

राठौड़ ने अन्नपूर्णा फूड पैकेट किट में भी भारी भ्रष्टाचार का आरोप लगाया और कहा कि सरकार की लैबों में ही 22 सैम्पल फेल हो गये। इसी तरह पोशाहार वितरण में एक ही कम्पनी को पूरे राजस्थान का ठेका दिये जाने पर भी उन्होंने सवाल उठाये और कहा कि भाजपा की सरकार बनने पर कांग्रेस राज के महाघोटालों की जांच कराई जायेगी। उन्होंने सरकार को हर मोर्चे पर विफल करार देते हुए कहा कि बिजली बिलों में 100 यूनिट फ्री की बात दूर की कोड़ी साबित हुई है।

दुनिया में विकास की भावना का पोषक है भारत : योगी

आदित्यनाथ ने कहा कि विगत नौ वर्षों से देश और दुनिया में भारत इसी भावना का भी कर रहा है प्रतिनिधित्व

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गोरखपुर/वार्ता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने आज कहा कि दुनिया के अंदर विकास की भावना क्या होनी चाहिए जो भारत ने ही दिया है और विगत नौ वर्षों से देश और दुनिया में भारत इसी भावना का प्रतिनिधित्व भी कर रहा है।

मुख्यमंत्री ने गोरखपुर स्थित गोरखनाथ मंदिर परिसर आयोजित ब्राह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ की 54वीं एवं राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की 09वीं पुण्यतिथि के अवसर पर साप्ताहिक श्रद्धांजलि समारोह के अंतर्गत आयोजित संगोष्ठी के क्रम में पहले दिन .एक भारत श्रेष्ठ भारत की संकल्पना की आधारशिला. विषयक संगोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए कहा कि एक भारत श्रेष्ठ भारत की संकल्पना के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश को एक संकल्प दिया और उत्तर से दक्षिण तक तथा पूर्व से पश्चिम तक एक भावना से सभी को संबल प्रदान किया। योगी ने कहा कि देश के 120 जनपद नक्सल प्रभावित थे, पूर्वोत्तर अराजकता से भरा था पर प्रधानमंत्री श्री मोदी ने अपने नेतृत्व में भेदभाव की भावना को समाप्त कर विकास की योजनाओं से जोड़कर इन सभी क्षेत्रों को विकास की धारा में ला दिया। कश्मीर हो या कन्याकुमारी, अरूणांचल हो या द्वारिकापुरी सभी देशवासियों को सीधे विकास की परियोजनाओं से जोड़कर एक दूसरे राज्यों से परस्पर संबंध बनाकरएभारत को समानभाव से समझने का अवसर दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री ने लाल किला से पंच प्रण का संकल्प लेकर देशवासियों को यह भाव दिया कि हमें एक विकसित भारत का निर्माण करना है जो गुलामी के प्रतीक हैं उनसे मुक्ति पाकर स्वदेशी पर गर्व करते हुए आत्मनिर्भर बनाना होगा। उन्होंने कहा कि एक तरफ गुलामी के अंश पर विराम लगाना है तो दूसरी तरफ अपनी विरासत पर गौरव करना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह भारत देश ऐसा है जहा जन्म लेना दुर्लभ है उसमें भी मनुष्य के रूप में जन्म लेना सौभाग्य की बात है। हमें अपने तीर्थ, धर्म ग्रंथ और संस्कृति पर गर्व करने के साथ हर नागरिक से समान व्यवहार करना चाहिए और साथ ही अपने कर्तव्यों के प्रति सभी को जागरूक रहना होगा। उन्होंने कहा कि श्री मोदी के पंच प्रण ने देश में एक भाव पैदा किया है जिससे हम सभी का दायित्व राष्ट्र प्रथम का ही गया है।

देश को कोयला ही नहीं, लोगों को पानी भी पहुंचा रही हैं सरकारी कंपनियां

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/वार्ता। कोयला मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम (सीपीएसई) खदानों का पानी का स्वस्थ तरीके से उपयोग करने की परियोजनाओं के तहत इस समय नौ राज्यों के 981 गांवों में पेयजल पहुंचा रहे हैं। मंत्रालय के अनुसार इससे करीब 18 लाख लोगों को लाभ हो रहा है।

मंत्रालय की बुधवार को जारी विज्ञप्ति में कहा गया है कि वर्ष 2022-23 में सीपीएसई ने लगभग 8130 लाख मीटर खदान जल का उपयोग किया । इसमें से 46% को घरेलू और सिंचाई उद्देश्यों और 49% आंतरिक घरेलू और औद्योगिक जरूरतों के लिए और 6% भूजल पुनर्भरण पहल के लिए आरक्षित किया गया। कोयला खनन कार्यों के दौरान, खदान का जल बड़ी मात्रा में खदान के नाबदान में जमा हो जाता है। कंपनियां न केवल रिसाव वाले जल बल्कि आसपास के जलग्रहण क्षेत्रों से सतही अपवाह जल को भी एकत्र कराने का प्रबंध करती हैं। इस जल का कई सामुदायिक कार्यों में उपयोग हो रहा है। इसमें घरेलू और पेयजल की आपूर्ति, कृषि क्षेत्रों की सिंचाई, भूजल पुनःपूर्ति और धूल बिठाने एवं भारी मशीनरी धुलाई जैसे विभिन्न औद्योगिक अनुप्रयोग भी शामिल हैं।

इंफाल में प्रदर्शन के दौरान छात्रों और सुरक्षाबलों के बीच झड़प, कई छात्र घायल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंफाल/भाषा। मणिपुर की राजधानी इंफाल में मुख्यमंत्री सचिवालय से करीब 200 मीटर दूर मोइरांगखोम में पथराव कर रहे प्रदर्शनकारियों को खदेड़ने के लिए सुरक्षा बलों ने बुधवार को आंसू गैस के कई गोले छोड़े जिसमें कई छात्र घायल हो गए।

ये छात्र जुलाई में लापता हुए दो युवाओं के अपहरण और हत्या के खिलाफ इंफाल के हाऊ ग्राउंड से शुरू हुई एक रैली में भाग ले रहे थे। अधिकारियों ने बताया कि ''हमें न्याय चाहिए'' के नारे लगा रहे छात्र मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह के बंगले की ओर कूच रहे थे। रैली की अगुवाई कर रहे छात्र नेता लनथेंग्बा ने पत्रकारों से कहा, ''हमारी मांग है कि दोनों छात्रों के हत्यारों को 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार किया जाए और अंतिम संस्कार के लिए उनके शव बरामद किए जाएं। हम अपनी शिकायतों के निवारण के लिए मुख्यमंत्री से भी मुलाकात करना चाहते हैं। जब हमारे मित्रों और सहपाठियों की बेरहमी से हत्या की जा रही है तो हम अपनी पढ़ाई कैसे जारी रख सकते हैं ?''

पुलिस ने यह कहते हुए प्रदर्शनकारियों को शांत करने की कोशिश की कि ''छात्र प्रतिनिधियों की मुख्यमंत्री तथा राज्यपाल दोनों से मुलाकात कराने की व्यवस्था की जा रही है।'' अधिकारियों ने बताया कि हालात अचानक बिगड़ गए और कुछ छात्रों ने पथराव शुरू कर दिया जिसके बाद द्रुत कार्य बल (आरएएफ) समेत सुरक्षा बलों को प्रदर्शनकारियों को खदेड़ने के लिए आंसू गैस के कई गोले छोड़ने पड़े।

भारत की नदी जोड़ो योजना जल संकट को और बढ़ा सकती है : अध्ययन

नई दिल्ली/भाषा। बाढ़ और सुखाड़ की समस्या का स्थायी समाधान ढूंढने के लिए भारत की महत्वाकांक्षी 'नदी जोड़ो योजना' से जल संकट और गहरा सकता है एवं मानसून की परिपाटी भी प्रभावित हो सकती है। यह दावा जर्नल 'नेचर' में प्रकाशित अनुसंधान पत्र में किया है। अनुसंधान के दौरान क्षेत्रीय जलवायु मॉडल और आंकड़ों का पुनर्विश्लेषण सहित कई तकनीकों का उपयोग किया, ताकि इन विशाल बुनियादी ढांचा परियोजनाओं द्वारा उत्पन्न होने वाले जल-मौसम संबंधी परिणामों के जटिल तंत्र पर प्रकाश डाला जा सके।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) मुंबई, भारतीय उष्णदेशीय मौसम विज्ञान संस्थान (आईआईटीएम) पुणे सहित अनुसंधान में शामिल वैज्ञानिकों ने अध्ययन के दौरान जलवायु परिस्थितियों का आकलन किया जो अल नीनो-दक्षिणी दोलन जैसी परिस्थितियों को प्रभावित करते हैं। अनुसंधानकर्ताओं ने पाया कि प्रस्तावित नदी जोड़ो योजना पूर्ण होने के बाद अंतर बेसिन जल स्थानांतरण स्थल-वायुमंडल अंतरसंबंध को बिगाड़ सकता है एवं इससे वायु और समीर में नमी का स्तर प्रभावित हो सकता है। इससे बारिश की परिपाटी बदल सकती है। अनुसंधानकर्ताओं ने अनुसंधान पत्र में लिखा, ''अनुसंधान के नतीजे बताते हैं कि भारत की विशाल नदी जोड़ो परियोजनाओं का उल्लेखनीय प्रभाव पड़ेगा।'' उन्होंने कहा, ''प्रस्तावित परियोजना में अति जल वाली नदी बेसिन से कम जल वाली नदी बेसिन में जलाशय और नहरों द्वारा जल का स्थानांतरण बिना जलीय मौसमी असर के विस्तृत समझ से किया जाएगा।''

बंगाल के राज्यपाल आनंद बोस ने 'दुर्गा भारत' पुरस्कार शुरू करने की घोषणा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

राजभवन ने पुरस्कारों के लिए नामांकन आमंत्रित करना कर दिया है शुरू

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल डॉ. सी वी आनंद बोस ने देशभर में विभिन्न क्षेत्रों में लोगों के योगदान को मान्यता देने के लिए बुधवार को वार्षिक 'राज्यपाल का दुर्गा भारत सम्मान' शुरू करने की घोषणा की। यह जानकारी एक अधिकारी ने दी।

अधिकारी ने कहा कि पुरस्कार तीन श्रेणियों में प्रदान किए जाएंगे जिनमें 'दुर्गा भारत परम सम्मान', 'दुर्गा भारत सम्मान' और 'दुर्गा भारत पुरस्कार' शामिल हैं। अधिकारी ने बताया कि राजभवन ने पुरस्कारों के लिए नामांकन आमंत्रित करना शुरू कर दिया है।

अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, ''यह एक वार्षिक पुरस्कार होगा। राज्यपाल इस साल दुर्गा पूजा के दौरान ये पुरस्कार देंगे। हमने पहले ही विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले लोगों से नामांकन आमंत्रित करना शुरू कर दिया है।'' उन्होंने कहा कि लोगों को पुरस्कार कला, सामाजिक कार्य, सार्वजनिक मामलों, विज्ञान और इंजीनियरिंग, सूचना प्रौद्योगिकी, अनुसंधान और विकास, व्यापार और उद्योग और चिकित्सा में उनके योगदान के लिए प्रदान किए जाएंगे।

अधिकारी ने कहा कि पुरस्कार साहित्य और शिक्षा, सिविल सेवा और खेल जैसे अन्य क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले लोगों को भी दिए जाएंगे।

'दुर्गा भारत परम सम्मान' के विजेता को एक लाख रुपये, 'दुर्गा भारत सम्मान' के विजेता को 50,000 रुपये और 'दुर्गा भारत पुरस्कार' के विजेता को 25,000 रुपये प्रदान किये जाएंगे।

इस साल का पांच दिवसीय दुर्गा पूजा उत्सव 20 अक्टूबर से शुरू होगा।

पश्चिम बंगाल सरकार ने पूजा आयोजकों के प्रयासों को स्वीकार करने और मान्यता देने के लिए 2013 में 'विश्व बांग्ला शरद सम्मान पुरस्कार' शुरू किया था।

मणिपुर के 'अक्षम' मुख्यमंत्री को बर्खास्त किया जाए : खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। मणिपुर में दो छात्रों के शवों की तस्वीर वाला वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित होने के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधा और कहा कि राज्य के 'अक्षम' मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह को बर्खास्त किया जाना चाहिए।

उन्होंने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''147 दिनों से मणिपुर के लोग परेशान हैं, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी के पास राज्य का दौरा करने का समय नहीं है। इस हिंसा में छात्रों को निशाना बनाए जाने की भयावह तस्वीरों ने एक बार फिर पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है।''

खरगे के मुताबिक, अब यह स्पष्ट है कि इस संघर्ष में महिलाओं और बच्चों के खिलाफ हिंसा को हथियार बनाया गया। उन्होंने आरोप लगाया की खूबसूरत राज्य मणिपुर को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कारण युद्ध के मैदान में बदल दिया गया है।

खरगे ने कहा, ''अब समय आ गया है, प्रधानमंत्री मोदी मणिपुर के भारतीय जनता पार्टी के अक्षम मुख्यमंत्री को बर्खास्त करें। उथल-पुथल की किसी भी संभावित घटना को नियंत्रित करने के लिए यह पहला कदम होगा।''

मणिपुर में दो युवकों की हत्या के खिलाफ प्रदर्शन कर रही भीड़ पर मंगलवार को पुलिस द्वारा लाठीचार्ज किए जाने के कुछ घंटे बाद मणिपुर सरकार ने अगले पांच दिनों के लिए इंटरनेट सेवाओं पर फिर से प्रतिबंध लगा दिया।

इम्फाल घाटी में दो युवकों की हत्या के खिलाफ प्रदर्शन कर रही भीड़ पर पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े और लाठीचार्ज किया, जिसमें कई छात्र घायल हो गए।

भारत में उत्तर अफ्रीका से लाए जा सकते हैं चीते : अधिकारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। नामीबिया और दक्षिण अफ्रीका से लाए गए कुछ चीतों की त्वचा पर यहां की गर्मी के दौरान उन्हें सर्दियों से बचाने वाले फर विकसित होने से चिंतित भारत, उत्तर अफ्रीका से और चीतों को लाने पर विचार कर रहा है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों के मुताबिक चीतों को भारत में बसाने की योजना को लागू करने के पहले साल सबसे बड़ी चुनौती जो सामने आई है वह कुछ चीतों की त्वचा पर भारत की गर्मी और मानसून के दौरान अफ्रीका की सर्दी (जून से सितंबर) आने की आशंका के चलते फर का विकसित होना है। एक वरिष्ठ वन अधिकारी ने कहा कि यहां तक अफ्रीकी विशेषज्ञों को भी इसकी उम्मीद नहीं थी।

अधिकारी ने बताया कि त्वचा पर उगे फर ने चीतों के लिए भारत में उच्च तापमान एवं नमी युक्त मौसम ने समस्या और बढ़ा दी क्योंकि इससे उन्हें खुजली का सामना करना पड़ा जिसे दूर करने के लिए वे अपने गले को जमीन या पेड़ों के तनों से रगड़ते थे। उन्होंने बताया कि इसकी वजह से उनकी त्वचा में जख्म हुए एवं मक्खियों ने उनके जख्म में अंडे दिए जिसका नतीजा रहा कि वे जीवाणुओं से संक्रमित हुए एवं तीन चीतों की मौत हो गई।

चीता परियोजना से जुड़े एक अधिकारी ने पहचान गुप्त रखते हुए बताया, '' उत्तरी गोलार्द्ध स्थित उत्तरी और उत्तर पूर्वी अफ्रीका में रहने वाले चीते संभव है कि भारतीय परिस्थितियों को बेहतर तरीके से अंगीकार करें। इसपर विचार किया जा रहा है लेकिन हमें अफ्रीका के इस हिस्से में चीतों की स्थिति का आकलन करना बाकी है। हमें उनकी सख्या, स्वास्थ्य स्थिति, प्रजन्न चक्र आदि का विश्लेषण करना है।''

अधिकारी ने बताया कि ब्रिटेन और अमेरिका सहित कई अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों ने कहा कि वे उत्तरी अफ्रीका से चीते अपने देश में ले गए एवं उन्होंने भारत से भी ऐसा ही करने की सिफारिश की है।

सऊदी अरब के खिलाफ एकजुट होकर खेलने की जरूरत : छेत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हांगझोउ/भाषा। भारतीय फुटबॉल टीम के कप्तान सुनील छेत्री को लगता है कि अगर उन्हें गुरुवार को यहां एशियाई खेलों के राउंड 16 मैच में मजबूत सऊदी अरब की टीम को चुनौती पेश करनी है तो उन्हें एकजुट इकाई के तौर पर खेलना होगा।

छेत्री हांगझोउ में टीम के मौजूदा अभियान में भारत की समस्याओं से वाकिफ हैं और सऊदी अरब के खिलाफ भारत के खराब रिकॉर्ड के साथ पश्चिम एशियाई टीम की मजबूती को भी अच्छी तरह जानते हैं।

उनका मानना है कि अगर टीम अपनी सही रणनीति पर डटी रही और उनके युवा साथी एकजुट होकर खेलना जारी रखेंगे तो यह प्री क्वार्टरफाइनल चुनौतीपूर्ण हो सकता है। भारतीय टीम के कप्तान ने कहा, ''हमारे कोच ने सऊदी अरब टीम के यहां के मैचों के अलावा पिछले कुछ मैचों के काफी क्लिप हमें दिखाये हैं। उन्होंने हमें खेलने के विभिन्न तरीकों के बारे में भी बताया है। '' छेत्री ने कहा, ''उनकी टीम काफी मजबूत है जिसमें काफी बेहतरीन खिलाड़ी हैं जिससे पूरी टीम शानदार है। '' सऊदी अरब फीफा रैंकिंग में 57वें स्थान पर काबिज है और हमेशा ही भारत (102 रैंकिंग) के खिलाफ हावी रही है। दोनों टीमों के बीच पांच मैचों में सऊदी अरब ने 18 गोल दागे हैं जबकि भारत दो ही गोल कर सका है। दोनों टीमों के बीच एशियाई खेलों में पिछली भिड़ंत में सऊदी अरब नई दिल्ली में 1982 क्वार्टरफाइनल में एकमात्र गोल से विजेता रही थी।

हांगझोउ में भारत ने तीन मैच खेले हैं जिसमें से उसे चीन से 1-5 से हार मिली। बांग्लादेश के खिलाफ उसने 1-0 से जीत हासिल की जबकि म्यांमा से 1-1 से ड्रा खेला। चार अंक लेकर भारत राउंड 16 में पहुंचा। छेत्री ने एकजुट इकाई के तौर पर खेलने की महत्ता पर जोर देते हुए कहा, ''कोच का इस बात पर जोर देना बहुत सरल है कि हम बतौर इकाई खेले और ऐसी स्थिति से बचे जिसमें एक खिलाड़ी अकेला पड़ जाये। सिर्फ यही रणनीति है। ''

चीन को भविष्य में किसी भी खेल प्रतियोगिता की मेजबानी से वंचित करना चाहिएः थरूर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरूर ने एशियाई खेलों के लिए अरुणाचल प्रदेश के तीन खिलाड़ियों को चीन द्वारा वीजा देने से इनकार किए जाने को 'शर्मनाक' करार देते हुए बुधवार को कहा कि चीन को भविष्य में किसी भी अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता की मेजबानी करने के अधिकार से वंचित किया जाए, जब तक कि वह हर मान्यता प्राप्त एथलीट को भाग लेने की अनुमति न दें।

उन्होंने कहा कि एशियाई खेलों के संपन्न होने के बाद भारत को आधिकारिक तौर पर विरोध दर्ज कराना चाहिए। पिछले दिनों चीन ने महिला खिलाड़ियों न्येमान वांगसु, ओनिलु तेगा और मेपुंग लाम्गु को मान्यता देने से इनकार कर दिया था। चीन के भेदभावपूर्ण बर्ताव के खिलाफ भारत के विरोध के तौर पर केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण और खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने एशियाई खेलों के लिए चीन की निर्धारित यात्रा रद्द कर दी। थरूर ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''चीन का आचरण शर्मनाक है। जब एशियाई खेल समाप्त हो जाएं, तो भारत को आधिकारिक तौर पर विरोध करना चाहिए व मांग करनी चाहिए कि चीन को भविष्य में किसी भी अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता की मेजबानी करने के अधिकार से वंचित किया जाए, जब तक कि वो हर मान्यता प्राप्त एथलीट को अपने देश में आने और प्रतियोगिता में भाग लेने की अनुमति न दे।''

उज्जैन में सड़क पर खून से लथपथ मिली लड़की, जांच में बलात्कार की पुष्टि, एसआईटी गठित

उज्जैन/इंदौर/भाषा। मध्यप्रदेश के उज्जैन शहर में लगभग 12 वर्षीय एक लड़की सोमवार को सड़क पर खून से लथपथ हालत में पाई गई और मेडिकल जांच में उसके साथ बलात्कार किए जाने की पुष्टि हुई है। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच और सीसीटीवी फुटेज की जांच के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया गया है । मध्यप्रदेश के गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा ने इंदौर में संवाददाताओं को बताया कि उज्जैन में बलात्कार की शिकार 12 वर्षीय लड़की का इलाज जारी है, और उसकी हालत खतरे से बाहर है। मंत्री ने कहा, ''लड़की उज्जैन के बाहर के किसी क्षेत्र की प्रतीत हो रही है। चूंकि वह (घटना को लेकर) ठीक तरह से जवाब दे नहीं पा रही है। इसलिए विशेषज्ञों और काउंसलर की मदद से उससे बातचीत का प्रयास किया जा रहा है।''

चीन में भारतीय ध्वज लहराते हुए देखना वास्तव में विशेष था: सिफ्ट कौर सामरा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हांगझोउ/भाषा। सिफ्ट कौर सामरा के लिए एशियाई खेलों में 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन व्यक्तिगत स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतना संतोषजनक था लेकिन चीन में ऐसा करना भारत की इस निशानेबाज के लिए 'विशेष' बन गया।

सिफ्ट कौर सामरा ने बुधवार को यहां महिला 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन व्यक्तिगत स्पर्धा में दबदबा बनाते हुए विश्व रिकॉर्ड स्कोर के साथ स्वर्ण पदक जीता जबकि आशी चौकसी ने भी कांस्य पदक जीता।

सामरा ने जीत के बाद कहा, ''चीन में भारतीय तिरंगे को ऊपर जाते हुए देखना वास्तव में अच्छा और विशेष था। '' उन्होंने कहा, ''मैं अपने शॉट पर ध्यान लगा रही थी। मैं सोच रही थी कि मुझे स्वर्ण पदक जीतना है। मैं जानती थी कि भारत ने एशियाड में व्यक्तिगत (50 मीटर थ्री पोजीशन) स्पर्धा में स्वर्ण पदक नहीं जीता है। मैं इस स्पर्धा में ऐसा करने वाली पहली निशानेबाज बनना चाहती थी। ''

आशी रजत पदक की दौड़ में थी लेकिन अंतिम शॉट (8.9) पर दूसरा स्थान गंवा बैठी। उन्होंने कहा कि सामरा ने अंत में खराब शॉट के लिए उन्हें 'डांटा' भी था जिसके कारण भारत आठ महिलाओं के थ्री पोजीशन फाइनल में पहले-दूसरे पोडियम स्थान से वंचित रह गया।

आशी ने कहा, ''कल हम चर्चा कर रहे थे कि स्वर्ण और रजत पदक दोनों ही हमारे होने चाहिए। उसने (सामरा) ने मुझे डांटा भी कि तुम अंतिम शॉट 8.9 का कैसे लगा सकती थी। ''

उन्होंने कहा, ''मेरे ऊपर काफी दबाव था। मैंने अपनी राइफल निकालने के बाद वापस रखी और जब मैंने 'टाइमर' देखा तो बस 30 सेकेंड बचे थे। मैं बिलकुल भी 'रिलैक्स' नहीं थी क्योंकि यह अंतिम शॉट था। मैं बहुत नर्वस थी। पर मुझे निशाना लगाना था तो मैंने निशाना लगाया।

हमारा रक्षण मजबूत होना चाहिए, रणनीति बदलने के लिए तैयार रहना होगा : हरमनप्रीत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हांगझोउ/भाषा। जापान से मिलने वाली कड़ी चुनौती से अच्छी तरह वाकिफ भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कहा कि उन्हें अपनी रक्षा पंक्ति को मजबूत करने की जरूरत है तथा एशियाई खेलों में गुरुवार को गत चैंपियन के खिलाफ होने वाले मुकाबले के दौरान उन्हें अपनी रणनीति में बदलाव करने के लिए तैयार रहना होगा।

भारतीय टीम को पहले दो मैचों में किसी तरह की चुनौती का सामना नहीं करना पड़ा। उसने पूल ए के अपने पहले मैच में उज्बेकिस्तान को 16-0 और फिर दूसरे मैच में सिंगापुर को 16-1 से करारी शिकस्त दी। भारत को हालांकि एशियाई खेल 2018 के स्वर्ण पदक विजेता जापान से कड़ी चुनौती मिलेगी। हरमनप्रीत ने मैच की पूर्व संध्या पर कहा,''हम इस बात से अच्छी तरह वाकिफ हैं कि हमें कल किस तरह की चुनौती का सामना करना होगा। जापान की टीम काफी मजबूत है लेकिन हम उनके मजबूत और कमजोर पक्षों से अवगत हैं।'' उन्होंने कहा,''हमें अपनी शैली पर ध्यान केंद्रित करना होगा, लेकिन हमें अच्छे परिणाम हासिल करने के लिए मैदान पर अपनी रणनीति बदलने के लिए भी तैयार रहना होगा।''

जापान की टीम भी अभी तक अजेय है। उसने अपने पहले मैच में बांग्लादेश को 7-2 और फिर उज़्बेकिस्तान को 10-1 से हराया था। हरमनप्रीत ने कहा,''जापान की टीम में कई ऐसे खिलाड़ी हैं जो गोल करने में सक्षम हैं और इसलिए उनसे निपटने के लिए हमें अपने रक्षण को मजबूत करना होगा।''

सुविचार

अगर ज़िन्दगी में कुछ पाना है तो, अपने तरीक़े बदलो इरादे नहीं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

यूपीआई: भुगतान की ऊंची उड़ान

डिजिटल भुगतान में यूपीआई क्रांतिकारी बदलाव लाने की ओर अग्रसर है। इसके जरिए अगस्त में डिजिटल भुगतान की संख्या कई गुना बढ़कर 10 अरब होना देश के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। वर्ल्डलाइन की यह रिपोर्ट उन तमाम पूर्वाग्रहों को आईना दिखाने के लिए काफी है, जब साल 2016 में इस मंच की शुरुआत के बाद यह कहा जा रहा था कि डिजिटल भुगतान का प्रयास भारत में अधिक सफल नहीं हो सकता, क्योंकि यहां आम लोगों के पास न इंटरनेट की सुविधा है और न उन्हें अधिक तकनीकी ज्ञान है। आज आंकड़े बताते हैं कि भारत की आम जनता ने उन धारणाओं को ग़लत साबित कर दिया। जनवरी 2018 में यूपीआई से 15.1 करोड़ लेनदेन किए गए थे। यह आंकड़ा जून 2023 में बढ़कर 9.3 अरब हो गया है! देश ने डिजिटल के क्षेत्र में बहुत लंबी छलांग लगाई है। यही नहीं, अगस्त में तो यह आंकड़ा 10 अरब को पार कर गया। यह पी2एम लेनदेन में शानदार बढ़ोतरी का स्पष्ट प्रमाण है। इस तथ्य पर ध्यान देना जरूरी है कि जनवरी 2022 में पी2एम का हिस्सा कुल यूपीआई लेनदेन में 40.3 प्रतिशत था। डेढ़ साल में इसने और ऊंची उड़ान भरी है। यह जून 2023 में बढ़कर 57.5 प्रतिशत तक पहुंच गया है। अभी नवरात्र, दशहरा, दीपावली, क्रिसमस, नया साल आदि अवसरों पर इसमें और बढ़ोतरी होने की भरपूर संभावनाएं हैं। कुछ साल पहले तक यही माना जाता था कि अगर राशि ज्यादा है तो वह डिजिटल माध्यम से भेजें। कम राशि के लिए नकद लेनदेन ठीक है। यह धारणा भी बदलती नजर आ रही है। आंकड़े इसकी गवाही दे रहे हैं। जनवरी 2022 में यूपीआई से पी2एम लेनदेन का औसत आकार 885 रुपए था। यह जून 2023 में 653 रुपए पर आ गया है। इसका अर्थ है कि अगर राशि कम हो तो भी लोग यूपीआई पर भरोसा जता रहे हैं। यूपीआई टोल भुगतान में उल्लेखनीय भूमिका निभा रहा है। इससे लोगों का समय बच रहा है। उन्हें ज्यादा देर तक अपने वाहन को कतार में खड़ा नहीं रखना पड़ता।

यूपीआई से लेनदेन का भविष्य अत्यंत उज्ज्वल है। अब तक जो आंकड़े सामने आए हैं, वे भविष्य के लिए उम्मीद जगाते हैं। भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) दिलीप असबे कह चुके हैं कि भारत के पास यूपीआई के जरिए 100 अरब से भी अधिक लेनदेन करने की क्षमता है। इसका अर्थ है– मौजूदा समय में होने वाले मासिक लेनदेन का 10 गुना! अभी देश में लगभग 35 करोड़ लोग यूपीआई का उपयोग कर रहे हैं। जिस तरह ग्रामीण क्षेत्रों में इंटरनेट सुविधा का विस्तार हो रहा है, लोगों में डिजिटल लेनदेन को लेकर रुझान बढ़ रहा है, उसके मद्देनजर यह आंकड़ा तीन गुना तक बढ़ सकता है। उस सूरत में मौजूदा स्थिति से 10 गुना तक लेनदेन के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। आज विदेशों में यूपीआई की चर्चा है। यूरोप, अमेरिका, सिंगापुर, जापान ... जो तकनीक व संसाधनों की दृष्टि से बहुत संपन्न माने जाते हैं, वे इस उपलब्धि से चकित हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि भारत साल 2030 तक यूपीआई से रोजाना दो अरब लेनदेन करने लगेगा। उसी साल तक भारत और दुनिया के 30 प्रमुख देशों के बीच निर्बाध भुगतान को सुनिश्चित करने के लिए गठजोड़ करने की योजना है। इससे भारतीय मुद्रा और यूपीआई का दबदबा बढ़ेगा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा इस साल अगस्त में, इंटरनेट से वंचित या कमजोर सिग्नल वाले इलाकों में यूपीआई–लाइट वॉलेट के जरिए ऑफलाइन भुगतान की अधिकतम राशि 200 रुपए से बढ़ाकर 500 रुपए करने की घोषणा भी एक महत्त्वपूर्ण फैसला था। प्राय: यह देखने में आता है कि जिन इलाकों में इंटरनेट की अच्छी सुविधा है, वहां तो लोग आसानी से यह भुगतान कर देते हैं, लेकिन दूर–दराज के इलाकों में, जहां अभी यह सुविधा ठीक ढंग से नहीं पहुंच पाई, वहां लोग नकदी पर ही निर्भर हैं। इस फैसले से उनके लिए आसानी होगी। वहीं, डिजिटल भुगतान को नई ऊर्जा मिलेगी।

ट्वीटर टॉक

वरिष्ठ नेता के रूप में अपनी अलग पहचान रखने वाले पूर्व केंद्रीय मंत्री स्व. श्री जसवंत सिंह जी जसोल की पुण्यतिथि पर कोटि–कोटि नमन। 1980 से लेकर 2014 तक लगातार संसद व सरकार हिस्सा रहकर अपने कार्यों एवं फैसलों से आपने हमें काफी कुछ सिखाया है।

–सतीश पूनिया

अशोक गहलोत जी हार से डरे हुए हैं। उन्हें उपराष्ट्रपति का राज्य में आगमन भी खटक रहा है। केंद्र से तो वैसे ही उन्होंने तकरीबन सारे संबंध काट लिए हैं। उनके वश में हो तो केंद्रीय मंत्रियों के आने पर बैन लगा दें। बाड़ेबंदी की तो उन्हें आदत है।

–गजेन्द्र सिंह शेखावत

आज बीकानेर क्षेत्र में जिला समन्वय समिति की बैठक में भाग लिया। बैठक में केंद्रीय सरकार की योजनाओं को जन– जन तक पहुंचाने और राजस्थान में कुशासन, भ्रष्टाचार और जंगलराज का अंत करके एक सुसाशित प्रदेश लोगों को प्रदान करने के बारे में चर्चा हुई।

–प्रह्लाद जोशी

प्रेरक प्रसंग

स्टारडम की कीमत

बात 1967 की है। अक्तूबर का आख़िरी हफ़्ता था। नयी दिल्ली के दिल कनॉट प्लेस के ओडियन थिएटर में ज्वेल थीफ का प्रीमियर हो रहा था। प्रीमियर में शरीक होने फ़िल्म के हीरो देव आनंद दार्जिलिंग से उड़ान लेकर खासतौर से दिल्ली उतरे। पालम एयरपोर्ट से सीधे कनॉट प्लेस गए। ज्यों ही वह ओडियन के बाहर कार से उतरे, फैंस का हुजूम खुशी से उनसे लिपट कर उछलने–कूदने लगा। उत्साह–उमंग के बीच, एक जेबकतरे ने देव आनंद के पर्स पर हाथ साफ़ कर लिया। पर्स में 15,000 रुपये थे। बक़ौल देव साहब, 'यक–ब–यक मेरी पेंट की पिछली जेब पर किसी ने हाथ फेरा, तो मुझे महसूस तो हो गया था। उसी क्षण मैंने अपनी पिछली जेब को हाथ से चेक किया, तो पाया कि पर्स गायब है! लेकिन तब मैंने कोई प्रतिक्रिया जाहिर नहीं की। क्योंकि उस वक्त मेरे इर्द– गिर्द उत्साह इतना था कि 15,000 रुपये की 'मामूली रकम' के लिए शोर मचाना या खोने का रोना रोना भी मुश्किल था।' देव आनंद के शब्द हैं– 'स्टारडम हासिल करने के लिए बहुत कुछ खोना पड़ता है।' इस वाक्य का ज़िक्र देव साहब ने अपनी आत्मकथा 'रोमांसिंग विद लाइफ' में भी किया है।

सामयिक

इंडि अलायंस : लोकसभा में दोस्ती की बातें, विधानसभा में बैर

अशोक भाटिया
मोबाइल : 9221232130

हाल ही में होने वाले पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव में इंडि अलायंस के घटकदल हाल फ़िलहाल एक–दूसरे से मुकाबला कर रहे हैं। आज समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव मध्य प्रदेश में चुनाव प्रचार अभियान की शुरुआत कर चुके है। बुधवार को समाजवादी पार्टी अध्यक्ष रीवा पहुंचें जहां सिरमौर निर्वाचन क्षेत्र में एक सार्वजनिक सभा को संबोधित किया। अखिलेश यादव गठबंधन के तहत मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में समाजवादी पार्टी के लिए सीट मांग रहे हैं। ऐसे में उनका दौरा बेहद अहम हो जाता है।

दरअसल इस साल के अंत तक मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, तेलंगाना और मिजोरम में चुनाव होने जा रहे हैं। समाजवादी पार्टी अध्यक्ष पहले ही एलान कर चुके हैं कि उनकी पार्टी मिजोरम को छोड़कर बाकी चार राज्यों में भी चुनाव लड़ेगी। मध्य प्रदेश में समाजवादी पार्टी पहले ही अपने छह उम्मीदवारों के नामों का एलान कर चुकी है तो वहीं छत्तीसगढ़ को लेकर भी तैयारी की जा रही है। समाजवादी पार्टी ने छत्तीसगढ़ में भी 40 निर्वाचन क्षेत्रों की सूची तैयार की है, जहां से पार्टी ने चुनाव लड़ने की इच्छा जताई है। समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव चाहते हैं कि अब उत्तर प्रदेश से बाहर भी पार्टी का विस्तार किया जाए और समाजवादी पार्टी को राष्ट्रीय स्तर की पार्टी में बदला जाए। पिछले काफी समय से वो इसकी कोशिशें भी करते आ रहे हैं। 2024 से पहले समाजवादी पार्टी अब विपक्षी दलों के इंडिया गठबंधन का हिस्सा भी बन गई है। ऐसे में वो दूसरे राज्यों में भी अपनी ताकत को दिखाकर 2024 में कुछ ज्यादा सीटें हासिल करना चाहेगी।

वर्ष 2018 के चुनाव में पार्टी ने 52 सीट पर अपने उम्मीदवार उतारे थे, हालांकि उसे सिर्फ एक सीट मिली थी। वर्ष 2013 में पार्टी ने 164 सीट पर किस्मत आजमाई थी, पर पार्टी किसी भी सीट पर जीत दर्ज करने में विफल रही थी। अगस्त महीने में मध्यप्रदेश में विधायक रह चुके लक्ष्मण तिवारी ने समाजवादी पार्टी की सदस्यता ग्रहण की थी। वहीं सतना के जिला कांग्रेस कमेटी के महासचिव संजय सिंह भी समाजवादी पार्टी में शामिल हुए थे। जाहिर–सी बात है कि मध्यप्रदेश में समाजवादी पार्टी का एक्टिव होना कहीं ना कहीं कांग्रेस के लिए परेशानी का सबब बन सकता है।इसके पहले समाजवादी पार्टी ने ऐलान किया था कि आगामी राजस्थान विधानसभा चुनाव में राजगढ़–लक्ष्मणगढ़ विधानसभा से पूर्व विधायक सूरजभान धानका समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी होंगे। अखिलेश ने सोशल मीडिया पर लिखा– 'घोसी की घोषणा' पूरे देश के लिए संदेश बन गई है।

वहीं, राजस्थान में भी समाजवादी पार्टी इस बार पूरी तैयारी के साथ चुनाव मैदान में उतरने की बात कह रही है। राजस्थान के वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता और जनता दल के राजस्थान के प्रदेश अध्यक्ष रहे अर्जुन देथा ने अखिलेश यादव से लखनऊ में मुलाकात की। चुनावी रणनीति पर चर्चा की।जबकि छत्तीसगढ़ में भी पार्टी चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही है। इसे अखिलेश यादव के पॉलिटिकल स्ट्रेटजी भी माना जा रहा है क्योंकि अगर इन राज्यों में कांग्रेस समाजवादी पार्टी के साथ सीटों पर कोई तालमेल नहीं करती है तो उसका सीधा असर उत्तर प्रदेश में भी सीट बंटवारे पर पड़ेगा।

वर्ष 2018 के चुनाव में आम आदमी पार्टी ने छत्तीसगढ़ में 85 सीट, मध्य प्रदेश में 208 सीट, राजस्थान में 142 सीट और तेलंगाना में 41 सीट पर अपनी किस्मत आजमाई थी। पर पार्टी किसी राज्य में कोई सीट जीतने में विफल रही थी। हालांकि, 2018 के चुनाव में रालोद ने राजस्थान में एक सीट जीती थी। छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव इसी साल के अंत में होने हैं। राज्य में अभी कांग्रेस की सरकार है। ऐसे में अरविंद केजरीवाल की पार्टी ने घोषणा की है कि वो राज्य की सभी 90 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। आम आदमी पार्टी आप के मध्य प्रदेश प्रभारी बीएस जून ने कहा कि उनकी पार्टी मध्य प्रदेश में चुनाव लड़ेगी। रविवार को उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी इस साल के अंत में प्रदेश में होने वाले विधानसभा चुनाव में सभी 230 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। चुनाव के लिए जल्द ही प्रत्याशियों के नामों की सूची जारी करेगी। उन्होंने कहा था कि मध्य प्रदेश में आम आदमी पार्टी पूरी मुस्तैदी से चुनाव की तैयारी में जुटी है। प्रदेश की सभी 230 विधानसभा सीटों पर हम चुनाव लड़ेंगे और चुनाव जीतेंगे। प्रत्याशी चयन की प्रक्रिया जारी है। जल्द ही प्रत्याशियों के नामों की सूची भी जारी कर दी जाएगी।

उन्होंने कहा कि प्रत्याशी चयन में सिर्फ सर्वेक्षण ही टिकट देने का मापदंड होगा। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश के हर जिले में हम 'परिवर्तन यात्रा' निकाल रहे हैं। जिसका समापन चार अगस्त को होगा। जून ने दावा किया कि 'परिवर्तन यात्रा' के दौरान लोगों का आम आदमी पार्टी के प्रति एक जुड़ाव दिख रहा है और हमें अपार जनसमर्थन मिल रहा है।

आप पार्टी का मानना है कि जनता मध्य प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस का विकल्प चाहती है और उसे 'आप' विकल्प के तौर पर दिख रही है। दिल्ली से आप के विधायक जून ने कहा कि मध्य प्रदेश में हम बिजली, पानी, शिक्षा, स्वास्थ्य और भ्रष्टाचार के मुद्दे पर चुनाव लड़ेंगे। उन्होंने दावा किया कि मध्य प्रदेश में जनता आप' के साथ है और पार्टी की मध्य प्रदेश में सरकार बनेगी। सरकार बनने के बाद दिल्ली की तरह ही मध्य प्रदेश में हम शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली, पानी की सुविधाएं लोगों को देंगे।

इस साल के अंत में होने वाले मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी सभी 230 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। आम आदमी पार्टी ने लोगों को जुड़ने के लिए मिस कॉल नंबर भी जारी किया हुआ है। इसके साथ ही ये भी वादा किया है कि जो फ्री सुविधाएं पंजाब और दिल्ली में आप सरकार दे रही है। उसे मध्य प्रदेश में भी दिया जाएगा। इस बयान से आपको समझ में आ गया होगा कि मध्य प्रदेश में भी आम आदमी पार्टी उसी रणनीति के साथ उतरने की तैयारी में है जिसके चलते वह पंजाब और दिल्ली में सत्ता के सिंहासन पर पहुंची और इसी के दम पर वह गुजरात विधानसभा में एंट्री करवाई। वैसे, आम आदमी पार्टी के मध्य प्रदेश की सभी सीटों पर ऐलान के साथ ही कांग्रेस की टेंशन बढ़ गई है। 2018 के विधानसभा चुनाव में जोरदार टक्कर देने वाली कांग्रेस खेमे में ये आशंका है कि कहीं आम आदमी पार्टी गुजरात की तरह ही खेल न बिगाड़ दे। यह सिर्फ विधानसभा चुनाव के लिए नहीं है, बल्कि अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव में भी कांग्रेस को झटका दे सकता है। राजस्थान में भी चुनाव लड़ने का एलान आप पहले ही कर चुकी है।

आप के इन ऐलानों के बाद एक सवाल ये भी उठ रहा है कि क्या आम आदमी पार्टी कांग्रेस को खत्म करके उसकी जगह लेने की कोशिश कर रही है। कांग्रेस नेता आप पर भाजपा को फायदा पहुंचाने का आरोप लगाते हैं। हालांकि, इसका उलटा आरोप भाजपा की तरफ से भी लगाए जाते हैं, लेकिन आम आदमी के अब तक के प्रदर्शन को देखें तो इसके उभरने से ज्यादा नुकसान कांग्रेस को ही हुआ है। दिल्ली हो या फिर पंजाब, दोनों राज्यों में आम आदमी पार्टी कांग्रेस को हटाकर ही सत्ता के शीर्ष पर पहुंची है। इसके साथ ही गोवा, उत्तराखंड, हिमाचल या फिर गुजरात हो, आप ने जिन प्रदेशों में ताल ठोकी वहां कांग्रेस प्रमुख विपक्षी दल के रूप में है। यदि 2023 विधानसभा चुनावों में इंडिया गठबंधन के घटक दलों का यही रवैया रहा तो कह नहीं सकते कि 2024 के लोकसभा चुनाव में यह गठबंधन कितना टिकेगा।

चिंतन

समुद्र से एक नहीं, अनेक लाभ

बाल मुकुन्द ओझा
मोबाइल : 8949519406

प्रत्येक वर्ष सितम्बर माह के अंतिम बृहस्पतिवार को विश्व समुद्री दिवस मनाया जाता है। इस वर्ष विश्व समुद्री दिवस 28 सितंबर 2023 को मनाया जाएगा। दुनिया का 80 प्रतिशत से अधिक वैश्विक व्यापार अंतर्राष्ट्रीय शिपिंग के माध्यम से होता है। इसका मतलब है कि दुनिया भर में व्यवसायों और घरों में प्रवेश करने वाली अधिकांश उपभोक्ता वस्तुओं को वहां पहुंचाने के लिए जहाज से भेजा जाता था। माल के परिवहन के सबसे किफायती और कुशल रूप के रूप में, समुद्री गतिविधि दुनिया के व्यापार उद्योग का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बनी हुई है।

प्रकृति और मनुष्य के बीच बहुत गहरा संबंध है। दोनों एक–दूसरे के पूरक हैं। समुद्र जलवायु को नियंत्रित करता है, सर्दियों में गर्मी और गर्मियों में ठंडी हवा देता है। यह हमें भोजन और दवाओं के साथ–साथ परिवहन भी देता है। समुद्र से मानव को एक नहीं अनेक लाभ है। भूमि पर वर्षा, तापमान के संतुलन, खनिज के भंडार, मछलियों की बहुतायत से सुलभता और प्राकृतिक सौन्दर्य के साथ आवागमन के साधन भी महासागर उपलब्ध करते है। प्राचीन काल से लोग सागर की यात्रा करने और इसके रहस्यों को जानने की कोशिश में लगे रहे हैं, परंतु माना जाता है कि समुद्र के वैज्ञानिक अध्ययन जिसे समुद्र विज्ञान कहते हैं की शुरुआत कप्तान जेम्स कुक द्वारा 1768 और 1779 के बीच प्रशांत महासागर के अन्वेषण के लिए की गयीं समुद्री यात्राओं से हुई।

पृथ्वी पर जीवन का आरंभ समुद्र से माना जाता है। इसमे मनुष्य जीवन के साथ –साथ समुद्री जीव जंतु और पेड़ पौधों का जीवन निर्वाह होता है। सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक रूप से ये हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण और लाभदायक है। समुद्र असीम जैव विविधता का भंडार है। हमारी पृथ्वी का लगभग 70 प्रतिशत भाग महासागरों से घिरा है। महासागरों में पृथ्वी पर उपलब्ध समस्त जल का लगभग 97 प्रतिशत जल समाया हुआ है। महासागरों की विशालता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि यदि पृथ्वी के सभी महासागरों को एक विशाल महासागर मान लिया जाए तो उसकी तुलना में पृथ्वी के सभी महाद्वीप एक छोटे द्वीप से प्रतीत होंगे। पृथ्वी पर पाँच महासागर हैं इनमें प्रशांत महासागर 6,36,34,000 वर्ग मील, ऐटलैंटिक महासागर 3,13,50,000 वर्ग मील, हिंद महासागर 2,83,56,000 वर्ग मील, आर्कटिक महासागर 40,00,000 वर्ग मील तथा ऐंटार्कटिक महासागर 57,31,000 वर्ग मील में फैला हुआ है।

विश्व में होने वाली वर्षा महासागरों पर ही निर्भर है। महासागर कभी सूखता नहीं, क्योंकि इसमें से जितना पानी वाष्प बनकर उड़ता है। वह वर्षा द्वारा नदियों में बहकर पुनरू सागर में मिल जाता है। इस प्रकार से पानी का एक चक्र बना रहता है। महासागर लहरों तथा ज्वार भाटा से कई प्रकार के कटाव एवं जमाव करता है, जिनसे विशेष प्रकार की भू–आकृतियाँ बनती हैं। लहरों से विभिन्न प्रकार के द्वीप तथा खाड़ियों का निर्माण होता है। समुद्र दुनिया भर के लोगों के लिए भोजन, मुख्य रूप से मछली उपलब्ध कराता है किंतु इसके साथ ही यह कस्तूरों, सागरीय स्तनधारी जीवों और सागरीय शैवाल की भी पर्याप्त आपूर्ति करता है। सागर के अन्य मानव उपयोगों में व्यापार, यात्रा, खनिज दोहन, बिजली उत्पादन और नौसैनिक युद्ध शामिल हैं, वहीं आनंद के लिए की गयी गतिविधियों जैसे कि तैराकी, नौकायन और स्कूबा डाइविंग के लिए भी सागर एक आधार प्रदान करता है। समुद्र तटों की सैर मानव जीवन को अपार आनंद की अनुभूति कराते है। ये तट प्रमुख पर्यटनीय स्थलों के रूप में विकसित हो रहे है जहाँ प्रति वर्ष लाखों लोग अठखेलियों के लिए आते है। प्राकृतिक दृश्य मन मोह लेने वाला है। वास्तव में यहां का मनोरम दृश्य तुलना से परे है। समुद्र के सुनहरे और लुभावने तटों पर मनोरंजन के लिये सैर–सपाटा करना सैलानियों के लिये कोई नई बात नहीं है। सैलानी यहाँ स्वर्गिक आनंद का अनुभव करते हैं। समुद्र के सौन्दर्य को देखकर पर्यटकों की हृदय गति तीव्र हो जाती है।

मुद्दा

शिक्षा व्यापार या साधना?

डॉ रामेश्वर मिश्र

वर्तमान समय में जीवन की गति आपा–धापी भरी उलझनों में निकली जा रही है, व्यक्ति को जीवन के नव निर्माण रूपी मूल्यों जैसे शिक्षा, संस्कार, संस्कृति को समझने का अवसर ही नही मिल रहा है। शिक्षा हमें मित्र से, शत्रु से, परिचित से अपरिचित से अभय बनाती है तो वहीं संस्कार एवं संस्कृति मानवीय परम्पराओं एवं मानवीय मूल्यों को सशक्त और दृढ़ बनाते हैं। आज वर्तमान में शिक्षा मानवीय मूल्य परक न होकर वरन उपाधि प्राप्त करने का माध्यम बन गयी है। शास्त्रों में विद्या के महत्व का उल्लेख करते हुए लिखा गया है कि– विद्या नाम नरस्य कीर्तिरतुला भाग्यक्षये चाश्रयः, धेनुः कामदुधा रतिश्च विरहे नेत्रं तृतीयं च सा। सत्कारायतनं कुलस्य महिमा रत्नैर्विना भूषणम्, तस्मादन्यमुपेक्ष्य सर्वविषयं विद्याधिकारं कुरु।।

जिसका अर्थ है–विद्या अनुपम कीर्ति है; भाग्य का नाश होने पर वह आश्रय देती है, कामधेनु है, विरह में रति समान है, तीसरा नेत्र है, सत्कार का मंदिर है, कुल–महिमा है, बगैर रत्न का आभूषण है; इसलिए अन्य सब विषयों को छोड़कर विद्या का अधिकारी बन।

शिक्षा के इसी महत्व को भारत भूमि के महान विचारकों ने समझा और शिक्षा के महत्व के निहितार्थ को समझकर महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों ने देश के अलग–अलग क्षेत्रों जैसे हिमांचल में स्वामी श्रद्धानन्द सरस्वती ने गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय की स्थापना की, बंगाल में रवीन्द्र नाथ टैगोर ने विश्व भारती विश्वविद्यालय की स्थापना, ज्योतिबा फूले रुहेलखण्ड विश्वविद्यालय की तो उनकी पत्नी सावित्रीबाई फुले ने प्रथम कन्या विद्यालय की स्थापना की। इसके साथ ही गुजरात विद्यापीठ, बिहार विद्यापीठ, काशी विद्यापीठ, तिलक महाराष्ट्र विद्यापीठ और आंध्र प्रदेश पीठ जैसे अनेक उच्च शिक्षा केन्द्रों की स्थापना की गयी। इन विश्वविद्यालयों और पीठों की स्थापना का एक सार्वभौमिक उद्देश्य देश की आने वाली युवा पीढ़ियों में राष्ट्रीय भावना के साथ–साथ भारतीय संस्कृति और शिक्षा का विकास करना था। राष्ट्रीय शिक्षा के महत्व को एनी बेसेंट ने उल्लेखित करते हुए कहा कि हमें अपने अतीत को आंख बन्द करके स्वीकार नही करना चाहिए, राष्ट्रीय शिक्षा को मातृभूमि के प्रति प्रेम पैदा करना चाहिए, गर्व और गौरवशाली देशभक्ति के माहौल में रहना चाहिए।

राष्ट्रीय शिक्षा के इसी महत्व को समझते हुए पंडित मदन मोहन मालवीय जी ने एक सर्व विद्या की राजधानी (काशी हिन्दू विश्वविद्यालय) की स्थापना का संकल्प लिया जिसे पूरा करने के लिए दान लेने से भी पीछे नही रहे। भारतीय परम्परा में शिक्षा की व्यवस्था को आगे बढ़ाने के लिए पंडित मदन मोहन मालवीय जी ने जो संकल्प लिया उसे पूर्ण करना आसान नही था, मालवीय जी ने भारतीय राष्ट्र के विकास तथा राष्ट्रीयता की भावना के लिए शिक्षा को महत्वपूर्ण समझा परन्तु यह कार्य इतना सरल नही था, इसके लिए कड़ी मेहनत और तपस्या की जरुरत थी जो सौभाग्य से मालवीय जी में ईश्वर प्रदत्त विद्यमान थी, उन्होने अपने मन मस्तिष्क में जिस शिक्षा व्यवस्था की कल्पना बैठा ली थी उसके लिए सबसे बड़ी चुनौती धन की व्यवस्था करना था। इसके लिए महामना जी ने धन संग्रह करने का जिम्मा स्वयं उठाया और विश्वविद्यालय की स्थापना की साधना में जुट गए। उनकी साधना ही थी कि अंततः 1916 में विश्वविद्यालय की स्थापना की गयी। आज भारतीय शिक्षा पटल पर महामना द्वारा स्थापित काशी हिन्दू विश्वविद्यालय की एक अलग पहचान है।

प्रारम्भ से लेकर आधुनिक भारत के स्वतंत्रता संघर्ष तक हमारे मनीषियों के लिए शिक्षा की व्यवस्था करना एक साधना ही थी जिसका लक्ष्य एक स्वस्थ भारतीय राष्ट्र का निर्माण करना था। आज बदलते भारतीय परिदृश्य में जहाँ सबसे आगे निकलने की होड़ लगी हुई है जिसमे मानवीय मूल्यों की आहूति एक सहज विषय हो गया है और जिसके मूल में केवल एक अन्तर्निहित तथ्य स्व की स्थापना है। ऐसे समय में अनेक निजी विश्वविद्यालयों की स्थापना की जा रही है और

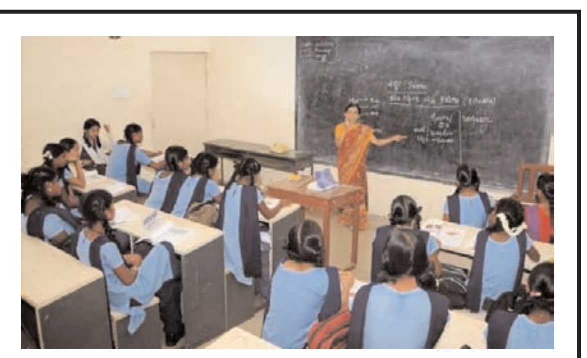

इन निजी विश्वविद्यालयों पर भारत की शिक्षा व्यवस्था की निर्भरता काफी अधिक हो गयी है। इसी को लेकर विश्वविद्यायल अनुदान आयोग एवं भारतीय शिक्षा मंडल के संयुक्त तत्वाधान में बीते 23 सितम्बर को सेज (संजीव अग्रवाल ग्लोबल एजुकेशनल) विश्वविद्यालय, भोपाल के कुशल नेतृत्व में एक आनन्दशाला का आयोजन किया गया जिसमे देश भर के सरकारी एवं निजी विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति, कुलपति, शिक्षक गणों ने भाग लिया। भारतीय शिक्षा मंडल के निर्धारित उद्देश्य भारतीय परम्परा में शिक्षा व्यवस्था एवं सबको समान शिक्षा के लक्ष्य को सेज विश्वविद्यालय ने बड़े उत्साह एवं सहजता से स्वीकार किया और यह आश्वस्त किया कि सेज विश्वविद्यालय अन्तिम पंक्ति में खड़े शिक्षा प्राप्ति के जिज्ञासु प्रत्येक छात्र तक पहुंचेगा और उन्हें शिक्षित करने का प्रयास करेगा।

इसके साथ ही अनेक ऐसे विश्वविद्यालय हैं जहाँ छात्रों एवं शिक्षकों के बीच संवादहीनता विद्यमान है, जहाँ शिक्षा व्यापार का माध्यम है, विद्यार्थी केवल एक आय का स्रोत है, विश्वविद्यालय एवं छात्रों में जुड़ाव का अभाव है। इन विश्वविद्यालयों में शिक्षा साधना न होकर व्यापार बन गयी है जो हमारी भारतीय शिक्षा परम्परा पर एक प्रश्न चिन्ह है। इस बदलते और बढ़ने की होड़ में क्या हमें अपने नैतिक कर्तव्यों से किनारा करना चाहिए, क्या व्यवसाय करने का अर्थ मानवीय संवेदनाओं का अन्त होना है, क्या बढ़ने की होड़ भारतीय समाज के प्रति अपने कर्तव्य से विमुख होना है आदि अनेक ऐसे प्रश्न हैं जो हमें सोचने पर विवश करते हैं।

महत्त्वपूर्ण
Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

विफलताएं अंतरिक्ष क्षेत्र का स्वाभाविक हिस्सा हैं: सोमनाथ

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष एस. सोमनाथ ने बुधवार को कहा कि विफलताएं अंतरिक्ष क्षेत्र का एक बहुत ही स्वाभाविक हिस्सा हैं, लेकिन इसके लिए अंतरिक्ष एजेंसी में किसी भी व्यक्ति को दंडित नहीं किया जाता है जिससे वैज्ञानिक निर्णय लेने में नये दृष्टिकोण अपनाने के वास्ते प्रोत्साहित होते हैं।

अखिल भारतीय प्रबंधन संघ (एआईएमए) की 50वीं वर्षगांठ के मौके पर सोमनाथ ने कहा कि यहां तक कि उन्हें भी कई बार असफलताओं का सामना करना पड़ा, लेकिन कभी भी उनके वरिष्ठों ने इसके लिए उनकी आलोचना नहीं की। उन्होंने कहा, ''हम यह सुनिश्चित करते हैं कि विफलताओं के लिए किसी एक व्यक्ति को दंडित न किया जाए क्योंकि कोई भी निर्णय किसी एक व्यक्ति द्वारा नहीं लिया जाता है। ये सभी निर्णय सामूहिक रूप से लिये जाते हैं।' सोमनाथ ने कहा कि अंतरिक्ष क्षेत्र में यह स्पष्ट समझ होती है कि एक व्यक्ति हर चीज को नहीं समझ सकता है और इसलिए सामूहिक निर्णय लिये जाते हैं। उन्होंने कहा, ''तो, सामूहिक निर्णय का मतलब है कि विफलताओं की जिम्मेदारी भी आपकी है।

ट्रंप ने रियल एस्टेट कारोबार खड़ा करते समय बरसों बरस धोखाधड़ी की : न्यायाधीश

न्यूयॉर्क/एपी

पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ एक न्यायाधीश ने अपने फैसले में कहा कि ट्रंप ने रियल एस्टेट कारोबार खड़ा करते समय बरसों बरस धोखाधड़ी की जबकि इसी कारोबार ने उन्हें प्रसिद्धि दिलाई और व्हाइट हाउस तक पहुंचाया।

न्यूयॉर्क अटॉर्नी जनरल लेटीशिया जेम्स द्वारा दायर किए गए एक मुकदमे में मंगलवार को सुनवाई करते हुए न्यायाधीश आर्थर एंगोरोन ने ट्रंप के खिलाफ अपनी व्यवस्था में यह कहा।

उनके अनुसार, पाया गया है कि पूर्व राष्ट्रपति और उनकी कंपनी ने अपनी संपत्तियों का अत्यधिक मूल्यांकन करके तथा सौदे करने और ऋण हासिल करने में कागजी कार्रवाई में अपनी कुल आय को बढ़ा–चढ़ाकर दिखा कर बैंकों, बीमाकर्ताओं और अन्य लोगों के साथ धोखाधड़ी की।

एंगोरोन ने आदेश में कहा कि सजा के तौर पर ट्रंप के कुछ कारोबारी लाइसेंस रद्द कर दिए जाएं। उन्होंने कहा कि वह ट्रंप ऑर्गनाइजेशन के कामकाज की निगरानी जारी रखेंगे। इस फैसले के बाद ट्रंप के लिए न्यूयॉर्क में व्यवसाय करने में मुश्किल होगी।

ट्रंप के वकील क्रिस्टोफर किसे ने इस फैसले को 'घोर अन्याय' करार दिया और कहा कि वह इस फैसले के खिलाफ अपील दायर करेंगे।

पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप लंबे समय से कहते आ रहे है कि उन्होंने कुछ भी गलत नहीं किया है। उनके बेटे एरिक ने कहा एंगोरोन का फैसला ''मेरे पिता के कारोबार को खत्म करने और उन्हें न्यूयॉर्क से बाहर निकालने का एक प्रयास है।''

ट्रंप ऑर्गनाइज़ेशन के कार्यकारी अधिकारी और मुकदमे के प्रतिवादी एरिक ट्रम्प ने कहा, ''आज, मैंने न्यूयॉर्क की कानून व्यवस्था पर से भरोसा खो दिया है।''

उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, ''मैंने पहले कभी किसी न्यायाधीश द्वारा एक व्यक्ति के प्रति इतनी नफरत नहीं देखी।''

युवा भारत में आने वाले दशकों में तेजी से बढ़ेगी बुजुर्गों की आबादी : यूएनएफपीए

नई दिल्ली/भाषा

भारत में बुजुर्गों की आबादी अभूतपूर्व दर से बढ़ रही है और इस सदी के मध्य तक यह बच्चों की आबादी को पार कर सकती है। संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष (यूएनएफपीए) की एक नई रिपोर्ट में यह जानकारी सामने आई है।

यूएनएफपीए ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि आने वाले दशकों में युवा भारत तेजी से बूढ़े होते समाज में बदल जाएगा।

भारत दुनिया में किशोरों और युवाओं की सबसे अधिक आबादी वाले देशों में से एक है।

यूएनएफपीए की 'इंडिया एजिंग रिपोर्ट 2023' के अनुसार, राष्ट्रीय स्तर पर बुजुर्गों (60 वर्ष और इससे अधिक आयु के लोगों) की आबादी का हिस्सा 2021 में 10.1 प्रतिशत था जो बढ़कर 2036 में 15 प्रतिशत और 2050 में 20.8 प्रतिशत तक होने का अनुमान है।

यूएनएफपीए ने अपनी रिपोर्ट में कहा है, ''सदी के अंत तक देश की कुल आबादी में बुजुर्गों की संख्या 36 प्रतिशत से अधिक होगी। 2010 के बाद से 15 वर्ष से कम आयु वर्ग में गिरावट के साथ-साथ बुजुर्गों की आबादी में तेज वृद्धि देखी गई है, जो भारत में वृद्ध लोगों की संख्या बढ़ने की गति को दर्शाती है। ''

रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में बुजुर्गों की आबादी अभूतपूर्व दर से बढ़ रही है और उम्मीद की जा सकती है कि सदी के मध्य तक यह बच्चों की आबादी से अधिक हो जाएगी।

यूएनएफपीए की रिपोर्ट के मुताबिक, वर्ष 2050 से चार साल पहले, 2046 तक भारत में बुजुर्गों की संख्या 0–14 वर्ष की आयु के बच्चों की आबादी से अधिक होगी। उस समय तक, 15–59 वर्ष की जनसंख्या हिस्सेदारी में भी गिरावट देखी जाएगी।

निस्संदेह, आज का अपेक्षाकृत युवा भारत आने वाले दशकों में तेजी से बूढ़ा होता समाज बन जाएगा।

आरोग्य मंथन

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, रसायन एवं उर्वरक मंत्री मनसुख मंडाविया बुधवार को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आरोग्य मंथन 2023 के समापन सत्र में शामिल हुए।

सनातन धर्म को खत्म करने की बात करने वाला विपक्षी गठबंधन राज्यों में भी टिक नहीं पाएगा : मनोज तिवारी

रायपुर/भाषा

भारतीय जनता पार्टी के सांसद मनोज तिवारी ने बुधवार को दावा किया कि सनातन धर्म को नष्ट करने की बात करने वाला विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' (इंडिया) अब राज्यों में भी टिक नहीं पाएगा।

बिलासपुर और मुंगेली जिलों में भाजपा की परिवर्तन यात्रा में शामिल होने के लिए छत्तीसगढ़ पहुंचे तिवारी ने राजधानी रायपुर में विमानतल पर संवाददाताओं के साथ बातचीत में यह दावा किया।

तिवारी ने साथ ही कहा कि मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में आगामी विधानसभा चुनावों में सांसदों को मैदान में उतारने की भाजपा की रणनीति से पता चलता है कि पार्टी चुनावों को कितनी गंभीरता से ले रही है।

छत्तीसगढ़ राज्य में इस वर्ष के आखिर में विधानसभा चुनाव होने हैं। मध्यप्रदेश में विधानसभा चुनावों के लिए जारी अपनी दूसरी सूची में भाजपा ने सात सांसदों को मैदान में उतारा है। इनमें तीन केंद्रीय मंत्री और एक राष्ट्रीय महासचिव शामिल हैं।

कांग्रेस ने दावा किया है कि भाजपा के पास विधानसभा चुनावों के लिए चेहरे नहीं हैं इसलिए वह छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश में सांसदों को चुनाव मैदान में उतार रही है। इस बारे में पूछे जाने पर तिवारी ने कहा, ''यदि सांसद विधानसभा चुनाव लड़ रहे हैं तो यह स्पष्ट है कि हम चुनावों को बहुत गंभीरता से ले रहे हैं। अगर वे (कांग्रेस) सोचते हैं कि हम चुनावों को गंभीरता से नहीं ले रहे हैं तो यह उनकी रणनीति है।''

तिवारी ने कहा, ''सबसे बड़ी बात यह है कि वे (कांग्रेस) किस आधार पर जीतेंगे? उन्होंने एक गठबंधन बनाया है जिसका कहना है कि वह सनातन धर्म को नष्ट कर देगा। सुशासन के मामले में वे (कांग्रेस) भाजपा या राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) से आगे नहीं हैं। यदि वे सनातन धर्म को नष्ट करने के एजेंडे के साथ आगे बढ़ रहे हैं तो मुझे नहीं लगता कि वे किसी भी राज्य में टिक पाएंगे।''

तमिलनाडु के मंत्री और द्रमुक नेता उदयनिधि स्टालिन द्वारा सनातन धर्म की तुलना डेंगू और मलेरिया जैसी बीमारियों से करने और इसके उन्मूलन का आह्वान करने के बाद भाजपा कांग्रेस पर निशाना साध रही है।

अमेरिका कर रहा है 'बहु-ध्रुवीय विश्व से सामंजस्य ' : जयशंकर

नई दिल्ली/भाषा

विदेश मंत्री सुब्रमण्यम जयशंकर ने कहा कि अमेरिका 'बहुध्रुवीय विश्व से सामंजस्य' कर रहा है, भले ही वह इस शब्द का स्वयं इस्तेमाल नहीं करे। 'काउंसिल ऑन फॉरेन रिलेशन' में मंगलवार को बातचीत के दौरान जयशंकर ने कहा कि अमेरिका सक्रिय तरीके से उन शक्तियों को आकार देना चाहता है जो ध्रुव (विश्व शक्ति) हो सकते हैं और यह भी आकलन करने की कोशिश कर रहा है कि उक्त ध्रुव की क्या ताकत होगी और उससे अमेरिका को क्या लाभ हो सकता है। जयशंकर की यह टिप्पणी अमेरिकी वार्ताकारों के साथ द्विपक्षीय वार्ता के लिए 27 से 30 सितंबर के बीच होने वाली उनकी वाशिंगटन यात्रा से पहले आई है।

विदेश मंत्री ने कहा कि दुनिया अधिक लोकतांत्रिक हुई है और अधिक सार्वभौमिक तरीके से अवसर प्राप्त हुए हैं। उन्होंने कहा, ''ऐसी परिस्थिति में स्वभाविक है कि उत्पादन और उपभोग के अन्य केंद्र उभरेंगे और विश्व में शक्तियों का पुनर्विभाजन होगा, जो हुआ है।'' जयशंकर ने कहा कि यद्यपि अमेरिका इस शब्द का इस्तेमाल न करे लेकिन वह 'बहु ध्रुवीय विश्व से सामंजस्य कर रहा है।' अपने इस दावे को तार्किक करार देते हुए विदेश मंत्री ने कहा, ''इसके कुछ भाग में इराक और अफगानिस्तान के दीर्घकालिक असर शामिल हैं।

तैयारी

सूरत में बुधवार को आगामी नवरात्रि उत्सव के लिए गरबा पॉट बनाती लड़की।

फिल्म 'जिगरा' का टीजर रिलीज

मुंबई/वार्ता

बॉलीवुड अभिनेत्री आलिया भट्ट की आने वाली फिल्म 'जिगरा' का टीजर रिलीज हो गया है। करण जौहर के प्रोडक्शल हाउस धर्मा प्रोडक्शंस ने सोशल मीडिया पर अपनी आने वाली फिल्म 'जिगरा' का टीजर रिलीज किया है,जिसमें आलिया की झलक देखने को मिल रही है। ट्वीट में लिखा है, आलिया जिगरा के लिए एक साहसी लड़ाई लड़ने के लिए वापस मैदान में आ गई हैं। फिल्म जिगरा का निर्देशन वासन बाला कर रहे हैं।आलिया इस फिल्म से बतौर सह–निर्माता भी जुड़ी हैं। आलिया भट्ट ने सोशल मीडिया पर लिखा, 'पेश कर रहे हैं आपके सामने एक बेहद प्रतिभाशाली निर्देशक वासन बाला और धर्मा प्रोडक्शंस की फिल्म 'जिगरा'। धर्मा प्रोडक्शन के साथ फिल्मी दुनिया में कदम रखने के बाद से लेकर अब उनके साथ एक फिल्म का निर्माण करने तक कई मायनों में ऐसा लगता है कि जहां से मैंने शुरुआत की थी, वहां से अब एक चक्र पूरा कर लिया है।' फिल्म जिगरा को धर्मा प्रोडक्शन और इटरनल सनशाइन के बैनर तले बनाया जा रहा है।

नव्या नवेली पहली बार पेरिस फैशन वीक में आएंगी नजर

मुंबई/एजेन्सी

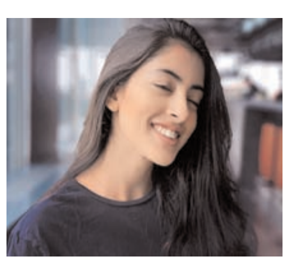

मेगास्टार अमिताभ बच्चन की पोती नव्या नवेली नंदा एक सोशल इंटरप्रेन्योर हैं। वह पेरिस फैशन वीक में अपनी पहली उपस्थिति दर्ज कराने के लिए तैयार हैं। ग्रैंड सेलिब्रेशन 1 अक्टूबर से शुरू होने वाला है, जहां नव्या एले फैनिंग, ईवा लोंगोरिया, केंडल जेनर जैसी इंटरनेशनल सेलिब्रेटीज के साथ बॉक करती नजर आएंगी। नव्या ने कहा, जिस ब्रांड का मैं प्रतिनिधित्व करती हूं, उसके साथ पेरिस फैशन वीक में यह मेरा पहला मौका है। मैं वहां कुछ हस्तियों से मिलने का इंतजार कर रही हूं। उन्होंने साझा किया कि उन्हें इस कार्यक्रम में अपने देश का प्रतिनिधित्व करने पर गर्व है। ''मैं वहां अपने देश का प्रतिनिधित्व करने के लिए उत्सुक हूं, एक ऐसे ब्रांड के साथ जिसकी मान्यताएं और मूल्य मेरे जैसे ही हैं, यह बहुत खास होगा। इस साल यह भाईचारे और महिलाओं का जश्न मनाने के बारे में है, मैं इसका हिस्सा बनकर सम्मानित महसूस कर रहा हूं।'' ब्रांड के कॉज एम्बेसडर के रूप में मैं इस ग्लोबल प्लेटफॉर्म का प्रतिनिधित्व करती हूं, जो मुझे महिलाओं के लिए सुरक्षित और समान इकोसिस्टम बनाने के लिए मैसेज फैलाने और समर्थन जुटाने में मदद करेगा।

'आंख मिचौली' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई/वार्ता

बॉलीवुड अभिनेत्री मृणाल ठाकुर की आने वाली फिल्म आंख मिचौली का ट्रेलर रिलीज हो गया है। मृणाल ठाकुर ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल पर 'आंख मिचौली' के ट्रेलर को शेयर किया है। फिल्म 'आंख मिचौली' में मृणाल ठाकुर ने पारो का किरदार निभाया है,जिसे शाम होने के बाद दिखाई देना बंद हो जाता है।

इसके अलावा परेश रावल, अभिषेक बनर्जी, दिव्या दत्ता, शरमन जोशी और अभिमन्यु दसानी जैसे कलाकार भी इस ट्रेलर में अपनी–अपनी भूमिकाओं के साथ दर्शकों का ध्यान खींचते हुए नजर आ रहे हैं। उमेश शुक्ला ने फिल्म'आंख मिचौली' का निर्देशन किया है।जीतेंद्र परमार द्वारा लिखित और सोनी पिक्चर्स इंटरनेशनल प्रोडक्शंस, उमेश शुक्ला और आशीष वाघ के मैरी गो राउंड स्टूडियो द्वारा निर्मित, आंख मिचोली 27 अक्टूबर को रिलीज होगी।

इंदौर में गणेशोत्सव मनाएंगी शुभांगी

मुंबई/एजेन्सी

लोकप्रिय शो 'भाबीजी घर पर हैं' फेम मशुभांगी आत्रे और रोहिताश्व गौर गणेश चतुर्थी मनाने के लिए इंदौर जाएंगे। 'भाबीजी घर पर हैं' शो में शुभांगी 'अंगूरी भाभी' का किरदार निभाती हैं, जबकि रोहिताश्व उनके चंचल 'लड्डु के भैया, मनमोहन तिवारी' के रूप में नजर आते हैं। इंदौर की रहने वाली शुभांगी अपने गृहनगर में गणेश उत्सव मनाने के लिए उत्सुक हैं। अपना उत्साह साझा करते हुए, शुभांगी ने कहा: मैं अपने को–स्टार, जिन्हें प्यार से 'लड्डु के भैया' के नाम से जाना जाता है, के साथ इंदौर में गणेश उत्सव में भाग लेने के लिए उत्साहित हूं। मेरा गृहनगर इंदौर, मेरे दिल में खास जगह रखता है, और मुझे बचपन से ही गणेश पूजा उत्सव देखना पसंद है।'' उन्होंने कहा, ''शहर खुशमिजाज माहौल से जीवंत हो उठता है। श्रद्धालु लोग भगवान गणेश की प्रार्थना करने के लिए प्रसिद्ध पंडालों में इकट्ठा होते हैं। इस बार, मैं इंदौर में लोकप्रिय स्थानों की खोज करने और अपने पसंदीदा स्थानों को फिर से देखने को लेकर उत्साहित हूं।'' शुभांगी ने आगे कहा: अपने परिवार, दोस्तों और प्रशंसकों से मिलना मेरी प्रत्याशा को बढ़ा देती है, और मैं उत्सुकता से दिनों की गिनती कर रही हूं। रोहिताश्व ने साझा किया: महाराष्ट्र की तरह, मध्य प्रदेश में भी अविश्वसनीय गणपति उत्सव मनाया जाता है, और मैं इन उत्सवों में शामिल होने और हमारे प्रशंसकों के साथ जुड़ने के लिए रोमांचित हूं। यह शो एंड टीवी पर प्रसारित होता है।

शेफाली शाह को मिलेगा इंटरनेशनल एमी अवॉर्ड्स पुरस्कार

मुंबई/एजेन्सी

इंटरनेशनल एमी अवॉर्ड्स 2023 के लिए नॉमिनेटेड लिस्ट का एलान हो चुका है। इसमें 20 अलग देशों से करीब 56 लोगों को 14 अलग–अलग कैटेगरी में नॉमिनेट किया गया है। वहीं इस लिस्ट में बॉलीवुड के तीन सितारों शेफाली शाह, जिम सरभ और कॉमेडियन वीर दास के भी नाम शामिल है, जिन्हें इस साल इंटरनेशनल एमी अवॉर्ड्स के लिए नॉमिनेट किया गया है।ये अवॉर्ड शो इस साल 20 नंवबर को न्यूयॉर्क में होने जा रहे हैं। इस कैटेगरी के लिए हुए नॉमिनेट बता दें कि, इंटरनेशनल एमी अवॉर्ड्स 2023 में शेफाली को नेटफ्लिक्स की सीरीज दिल्ली क्राइम में डीसीपी वर्तिका चतुर्वेदी के रोल के लिए नॉमिनेट किया गया है। वहीं जिम को सीरीज रॉकेट बॉयज के लिए नॉमिनेट किया गया है। इस सीरीज में उन्होंने डॉ. होमी जहांगीर भाभा का किरदार निभाया था। जिन्हें भारतीय परमाणु कार्यक्रम के जनक भी कहा जाता है। वहीं वीर दास को नेटफ्लिक्स पर उनके शो वीर दास: लैंडिग के लिए नॉमिनेट किया गया है।

इस खबर के सामने आने के बाद इंटरनेशनल एमी अवॉर्ड्स के लिए नॉमिनेट हुए ये सेल्बस खुशी से फूले नहीं समा रहे हैं। शेफाली शाह, जिम सरभ और वीर ने सोशल मीडिया पर इंटरनेशनल एमी अवॉर्ड्स के लिए नॉमिनेट होने पर अपनी खुशी जाहिर की है। इनके पोस्ट पर सेलेब्स कमेंट करके बधाई दे रहे हैं।

13 अक्टूबर को रिलीज होगी तापसी पन्नू की फिल्म 'धकधक'

मुंबई/वार्ता

बॉलीवुड अभिनेत्री तापसी पन्नू निर्मित फिल्म धकधक 13 अक्टूबर को रिलीज होगी। तापसी पन्नू फिल्म धक–धक से बतौर प्रोड्यूसर नया सफर शुरू करने जा रही हैं। इस फिल्म को तापसी पन्नू वायाकॉम 18 के साथ मिलकर प्रोड्यूस कर रही हैं। तरुण दुदेजा के निर्देशन में बनी इस फिल्म में फातिमा सना शेख ,दीया मिर्जा, रत्ना पाठक शाह और संजना सांघी की मुख्य भूमिका है।फातिमा सना शेख ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर फिल्म धकधक का पोस्टर शेयर किया, जिसमें फातिमा सना शेख, रत्ना पाठक शाह, दीया मिर्जा और संजना सांघी नजर आ रही हैं। इस पोस्टर में चारों बाइक पर सवार हैं। तापसी पन्नू ने फिल्म धकधक के पोस्टर को शेयर करते हुए लिखा, मेरी चार हीरोज आपको एक ऐसे सफर पर आपको ले जाने के लिए तैयार हैं, जो आपको जिंदगी भर याद रहेगा। फिल्म 'धक–धक' 13 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com

RNI No. 58061/93. Regn No.:
RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

जीतो बेंगलूरु नॉर्थ की महिला विंग द्वारा महिलाओं के लिये आयोजित होने वाले क्रिकेट हेतु खिलाड़ियों के नीलामी का आयोजनराजाजीनगर स्थित कार्यालय में किया गया।

महावीर इंटरनेशनल ने आयोजित किया कैंसर जांच शिविर, सैंकड़ों महिलाएं हुई लाभान्वित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय महावीर इंटरनेशनल बेंगलूरु सेंटर ने लायंस क्लब ऑफ बेंगलूरु साउथ और इंडियन कैंसर इंस्टीट्यूट के सहयोग से कैंसर जागरूकता और जांच शिविर का आयोजन किया, जिसमें महिलाओं ने स्तन कैंसर, सर्वाइकल कैंसर और मौखिक कैंसर की जांच करवाई। गवीपुरम में आयोजित इस शिविर का उद्देश्य क्षेत्र में और इसके आसपास रहने वाले सभी निम्न आय समूहों की मदद करना और कैंसर के बारे में जागरूकता पैदा करना था। शिविर में लगभग 100 से अधिक लोगों ने जांच करवाई। महिलाओं को मासिक धर्म स्वच्छता पैड भी वितरित किये गये। महावीर इंटरनेशनल चेयरपर्सन भारती छाजेड़ तलेसरा ने स्वागत करते हुए अभियान की जानकारी दी। उन्होंने लायंस क्लब के सभी डॉक्टरों एवं कैंसर इंस्टीट्यूट से

डॉ. गुरु और उनकी टीम को को धन्यवाद दिया। कर्नाटक के जोनल चेयरमैन सुशील तलेसरा ने लायंस क्लब और कैंसर इंस्टीट्यूट की टीम को सम्मानित किया। इस शिविर में सचिव विजयराज सिसोदिया, कोषाध्यक्ष सुरेश लखानी, उपाध्यक्ष मनोज बाफना, संयुक्त सचिव ध्रुव धनेशा एवं राजेश श्रीश्रीमाल, कैलाश संकलेचा आदि ने अपने सेवाएं दी।

'जैन धर्म में कोई भी आराधना, त्याग के बिना संभव नहीं है'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के राजाजीनगर स्थित शंखेश्वर पार्श्वनाथ जैन मंदिर में चातुर्मासार्थ विराजित पंन्यासश्री भक्तिरत्नविजयजी, मुनिश्री भाग्यचन्द्रविजयजी व बालमुनिश्री भक्तिदर्शनविजयजी म.सा. ने कहा कि मोह का पर्दा हटाएँ। जैन धर्म की कोई भी आराधना किसी भी त्याग के बिना संभव नहीं है। संसारी जीवों की प्रिय चीज भोग है।

धन के प्रति भी अत्यधिक मोहासक्ति होने के कारण होता है। सुनने मात्र से बारह भावनाएँ अन्तःकरण को पवित्र करती हैं इसलिए इन्हें हृदयस्थ कीजिये। इससे मोहाच्छादित समतालता पुनः नव पल्लवित होगी। आपको यदि आत्मभाव को पावन बनाने की इच्छा हुई होगी तो ही आप मोह का परदा दूर करने का प्रयत्न करेंगे। समभाव लाने वाली बातें श्रवण करेंगे। यदि समताभाव पाने की इच्छा नहीं हुई है तो समभाव दिलाती बातें और त्यागी संतो के संपर्क में भी नहीं जायेंगे। मुझे कषायजन्य सुखाभासों में नहीं रहना है.समत्व का सुख पाना है। ऐसे संकल्प के बिना समत्व मिलना मुश्किल है। मोह के बन्धन टूटने से दुनिया के प्रति उदासीनता आ जाती है। दुनिया स्वप्नवत लगने लगती है। विचारों की दुनिया बदल जाती है। समभावी व्यक्ति अन्तर्मुखी बन जाता है। समभावी की बाह्य जगत में दिखायी देती चीज वस्तुएँ या फिर जीवन्त व्यक्ति के दूर चले जाने के बाद भी मौज होती है और मोही के उसी प्रकार की स्थिति होने पर वह दूर जाता है। समत्व अर्थात बाह्य व्यक्ति या वस्तु से न हर्ष, न शोक, न मेरा, न तेरा ऐसी स्थिति उसी का नाम समता भाव।

जीतो महिलाओं ने क्रिकेट प्रतियोगिता के लिए खिलाड़ियों की नीलामी की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जीतो बेंगलूरु नॉर्थ की महिला विंग द्वारा महिलाओं के लिये आयोजित होने वाले क्रिकेट हेतु खिलाड़ियों के नीलामी का आयोजनराजाजीनगर स्थित कार्यालय में किया गया। सुगनचंद पवन चोपड़ा के मुख्य प्रायोजन में आयोजित होने वाले चोपडा क्रिकेट चैम्पियनशिप में सीमा बाफ़ना की ऊर्जा टीम, मधु सेठिया की परी सुपर स्ट्राइकर्स, सुनीता बोरन्दिया की मानसी ज्वेल्स एवं बिंदु नाहर की वेजओवन सुपर गेम्स टीम भाग ले रही है। सभी टीमों के आईकॉन खिलाड़ियों की मौजूदगी में आयोजित इस कार्यक्रम में अध्यक्ष बिंदु रायसोनी ने सभी का स्वागत किया। जीतो नॉर्थ के अध्यक्ष इंदरचंद बोहरा, महामंत्री सुधीर गादिया एवं महिला विंग संयोजक कमल पुनमिया ने सभी टीमों को शुभकामनायें दी ।

बिन्दु रायसोनी ने बताया कि जीतो एक विश्वव्यापी सामाजिक संस्था है जो समाज में हर व्यक्ति के उत्थान हेतु कार्य करती है। सामाजिक समरसता को देखते हुए जीतो महिला विंग नॉर्थ ने पहली बार महिलाओं हेतु क्रिकेट मैच और अन्य अनेकों खेल का आयोजन करने जा रहा है।

खेल हमें समयबद्धता, धैर्य, अनुशासन, समूह में कार्य करना और लगन सिखाते हैं। खेल से हमारे आत्मविश्वास स्तर उच्च होता है।उन्होंने कहा कि यदि हम खेल का नियमित अभ्यास करें, तो हम अधिक सक्रिय और स्वस्थ रह सकते हैं। प्रायोजक पवन चोपडा ने कहा कि राष्टीय और अंतर्राष्टीय स्तर पर बीते पाँच वर्षों में महिला खिलाड़ियों की संख्या में काफ़ी वृद्धि देखने को मिली है। उन्होंने कहा कि स्थानीय स्तर पर महिलाओं के लिये विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं के आयोजन से खिलाड़ियों की प्रतिभा को निखारा जा सकता है। इस आयोजन को सुचारू रूप से तकनीकी के साथ नीलामी करवाने में मितेश संतोष जैन ने सहयोग किया। महिला सहमंत्री भाविका कोठारी, कार्यसमिति सदस्य मीना बड़ेरा, सुष्मिता सेठिया, सुर्यकला सियाल, नीता गादिया, सुमन रांका, संगीता नागोरी, तनुजा मेहता, रुचिका पटावरी एवं सह-संयोजिका सारिका मेहता का सहयोग रहा। संयोजिका सोमना सिसोदिया ने संचालन किया

तेयुप के रक्तदान शिविर में 25 यूनिट रक्त का हुआ संग्रह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद द्वारा निर्देशित यूनाइटेड कॉरपोरेट ब्लड रक्तदान अमृत स्मरणोत्सव के अंतर्गत तेरापंथ युवक परिषद(तेयुप) राजाजीनगर एवं ब्लड बैंक लायंस क्लब के सहयोग से संपंगीरामनगर स्थित जेब्रोनिक्स इंडिया कार्यालय में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। तेयुप राजाजीनगर के अध्यक्ष कमलेश गन्ना ने प्रायोजक परिवार शांतिलाल लादुलाल पितलिया, सुरेशचन्द्र, विकासकुमारजी मेहता का सम्मान किया और आगे होने जा रहे 21 शिविरों की जानकारी प्रदान की। अभातेयुप से प्रबुद्ध विचारक दिनेश पोखरना ने इस उपक्रम व राजाजीनगर तेयुप के कार्यों की सराहना की।

इस शिविर में 30 लोगों ने रक्त जांच करवाई तथा 25 लोगों ने रक्तदान किया। इस अवसर पर दिनेश पोखरणा, तेयुप वे सुनील मेहता,जीतू मेहता, विक्रम बोहरा एवं हेमंत भंडारी, एमबीडीडी संयोजक विनोद कोठारी एवं चेतन मांडोत का अथक श्रम नियोजित हुआ।

आचार्य भिक्षु सत्यशोधक ही नहीं, सत्यनिष्ठ भी थे : मुनि दीपकुमार

विजयनगर में आचार्यश्री भिक्षु का 221वां चरमोत्सव कार्यक्रम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के विजयनगर स्थित तेरापंथ भवन में मुनिश्री दीपकुमारजी के सान्निध्य में आचार्य भिक्षु के 221वें चरमोत्सव का आयोजन तेरापंथी सभा विजयनगर द्वारा किया गया। मुनिश्री दीपकुमारजी ने कहा कि आचार्य भिक्षु सच्चे आत्मार्थी महापुरुष थे। वे सब प्रकार की भौतिक एषणाओं से ऊपर थे।

साधु जीवन में पद-प्रतिष्ठा का मोह हो सकता है, शिष्यों का मोह हो सकता है, पर आचार्य भिक्षु वीतराग पथ के सच्चे पथिक थे। वे सच्चे साधक थे। आचार्य भिक्षु ने कहा था कि तपस्या करके आत्मा का कार्य सिद्ध करेंगे, हमारे पीछे कोई दीक्षा लेंगे, पंथ चलेगा यह हमने नहीं सोचा था। आचार्य भिक्षु का जीवन सत्य के लिए समर्पित था। संसार में सत्य की चर्चा करने वाले हजारों मिल सकते हैं, पर सत्य के मार्ग पर चलना तलवार की धार पर चलना जैसा है। आचार्य भिक्षु ने सत्य के लिए सर्वस्व न्यौछावर कर दिया था। आचार्य भिक्षु सत्यशोधक ही नहीं, सत्यनिष्ठ भी थे। उन्होंने सत्य की आराधना के लिए सारी सुविधाओं का परित्याग कर दिया। मुनिश्री ने आगे कहा- आचार्य भिक्षु ने सिद्धांतों और आदर्शों के साथ कभी समझोता नहीं किया।

मुनिश्री काव्यकुमारजी ने कहा कि आचार्य भिक्षु का जीवन एक सैनिक जैसा जीवन था। उन्होंने हमेशा शुद्ध साध्य के लिए संग्राम किया। पराक्रमी योद्धा की तरह एक-एक मोर्चे पर विजय प्राप्त करते हुए अपने परम लक्ष्य की ओर निरन्तर अग्रसर होते रहे। उन्हें अपने जीवन में कष्ट बहुत सहन करने पड़े। कार्यक्रम में सभा के अध्यक्ष प्रकाश गांधी ने गीत के माध्यम से श्रद्धांजलि प्रकट की।

'सन्मार्ग पर चलकर ही हम अपना आत्मकल्याण कर सकते हैं'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अक्कीपेट के तत्वावधान में अक्कीपेट स्थानक में विराजित डॉ प्रतिभाश्रीजी के सान्निध्य में पुच्छीसुणं का संपुट्ट जाप का आयोजन गतिमान है। साध्वीश्री ने उपस्थित श्रावक श्राविकिओं द्वारा पुच्छीसुणं की सातवीं गाथा का संपृष्ट जाप किया गया। जाप के बाद में गाथा का विवेचन करते हुए साध्वी ऋषिताश्रीजी ने कहा कि प्रभु परमात्मा महावीर स्वामी को आर्य सुधर्मा स्वामी ने अलग-अलग अलंकारों से अलंकृत किया है जिस प्रकार असंख्य देवों में इंद्र सर्वश्रेष्ठ होते हैं, उसी प्रकार संसार के समस्त मनुष्यों में तीर्थंकर परमात्मा महावीर स्वामी सर्वश्रेष्ठ हैं। संसार के समस्त मनुष्यों का बल तीर्थंकर परमात्मा के बल की तुलना नहीं कर सकता है। एक अपेक्षा से तीर्थंकर प्रभु ने हमें तीन वस्तुएं प्रदान कि हैं। चक्खुदयाणं अर्थात तीर्थंकर परमात्मा ने हमें ज्ञान रूपी चक्षु प्रदान करके हमारे श्रद्धा के नेत्रों को खोला है। मग्गदयाणं अर्थात तीर्थंकर परमात्मा ने हमें सत्पथ, सन्मार्ग बताया है । उस मार्ग पर चलकर हम अपना आत्म कल्याण कर सकते हैं। बोहीदयाणं अर्थात तीर्थंकर परमात्मा हमें बोध देने वाले हैं हमें जीव, अजीव, पुण्य, पाप का ज्ञान करने वाले हैं।

साध्वी प्रियांगीश्रीजी ने चातुर्मास संबंधी सूचनाएं प्रदान की। बुधवार को ललिताबाई लुंकड़ ने सोलह उपवास के प्रत्याख्यान ग्रहण किये। पुच्छीसुणं जाप के लाभार्थी प्रवीणकुमार कुणालकुमार नैतानी परिवार थे। धर्मसभा में उदयपुर, बोईसर, यादगिरी आदि अनेक स्थानों से श्रद्धालु उपस्थित थे। सहमंत्री कल्याण श्रीश्रीमाल ने संचालन किया।

जिनवाणी श्रवण से जीवन पवित्र बन जाता है : साध्वी भव्यगुणाश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के सिमंधरस्वामी राजेंद्रसूरी ट्रस्ट मामुलपेट के तत्वावधान में आयोजित चातुर्मास में गुरु राजेन्द्र भवन किलारी रोड में विराजित साध्वी भव्यगुणाश्रीजी ने कहा कि सुधरना चाहे तो एक शब्द काफी, नहीं सुधरना चाहे तो उपदेश भी व्यर्थ है। जिनवाणी श्रवण से जीवन पवित्र बन जाता है और पापकर्म का क्षय होता है। हमारे लिए जीवन में परनिंदा करना बहुत सहज व सरल है लेकिन अपनी निंदा यानी आत्मालोचना के लिए कहें तो बहुत मुश्किल होगा। दूसरी की कमियां देखना जितना आसान होता है उतना ही कठिन होता है अपनी खामियों को देखना। अन्र्तमन की साधना किए बिना व्यक्ति अपनी खामियों को नहीं तलाश पाता है ओर वह दूसरी की निंदा में लगा रहता है। आत्मचिंतन कर अपने दोष दूर करने ओर गुणों में वृद्धि करते रहने का प्रयास करना चाहिए। इससे ही इंसान के जीवन के दुःख दूर होंगे।सम्यक ज्ञान, सम्यक दर्शन एवं सम्यक चरित्र की आराधना करने वालों के लिए धर्म उत्कृष्ट होता है। ऐसी साधना करने वाले साधकों का हमेशा जिनशासन में नाम होता है। सम्यक दर्शन होने पर व्यक्ति के पास उत्कृष्ट ज्ञान हो जाता है। इससे उसका सम्यक चरित्र भी उत्तम हो जाता है।

इन सम्यक त्रिरत्नों की साधना करने वालों का जीवन सफल एवं सार्थक हो जाता है। गौतमचंद धारीवाल, राजेन्द्रप्रसाद शर्मा, राजेश जैन आदि ने साध्वीश्री के दर्शन वंदन का लाभ लिया। मेघराज भंसाली, मांगीलाल वेदमुथा, तिलोकचंद भंडारी, कांतिलाल गांधीमुथा, बाबूलाल जैन ने सभी मेहमानों का स्वागत किया।

परमात्मा पर भरोसा रखने वाला होता है सच्चा भक्त : मुनिश्री राजपद्मसागर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के शांतिनाथ श्वेतांबर मूर्तिपूजक जैन संघ एलएन पुरम श्रीरामपुरम में चातुर्मासार्थ विराजित मुनिश्री राजपद्मसागरजी व श्रमणपद्मसागरजी की निश्रा में परमात्मा भक्ति का नवग्रह अनुष्ठान चल रहा है। इस मौके पर मुनिश्री ने कहा कि भक्त का अर्थ होता है, जिसे अपने अहंकार पर श्रद्धा नहीं है। अब परमात्मा के अस्तित्व पर श्रद्धा है। जिनको परमात्मा पर श्रद्धा नहीं होती है, उनको अपने अहंकार पर श्रद्धा होती है। जो परमात्मा के वचनों पर श्रद्धा विश्वास करता है और सच्चे मन से प्रभु से प्रार्थना एवं भक्ति करता है उसके मन के मनोरथ पूर्ण होते है। हमारे शास्त्र में अनेक प्रकार के ऐसे अनुष्ठान है, जो परमात्मा की आराधना करने से ग्रहदोष निवारण होता है। परमात्मा की भक्ति करने से उसका निवारण होता है।

भारतीय संस्कृति में 'सर्वे भवन्तु सुखिनः' सबसे प्रमुख : विनयमुनि खींचन

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । शहर के पार्श्व सुशील धाम, होसूर रोड में विराजित श्री विनयमुनिजी खींचन ने सत्संग की सुरभि में धर्म संदेश देते हुए कहा कि भगवान महावीर स्वामी ने सत्वेषु मैत्री: अर्थात सभी जीवों से मैत्री रखिये, ये शाश्वत घोष दिया है। इसके बिना साधना में उत्कृष्ट रसायन नहीं आ सकता है। वैसे ही भारतीय संस्कृति में सर्वे भवन्तु सुखिनः, सर्वे सन्तु निरामयाः। सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चित दुःख भाग भवेत, अर्थात सब सुखी हो, सब निरोग हो, सबका मंगल-कल्याण हो, किसी को दुख न मिले। ऐसी हमारी भावना हो सकती है और ऐसी भावना हर आदमी को रखना चाहिए। ऐसी भावना वही रखेगा, जिसका मन साधना में होगा। निर्मल होगा, नहीं तो आदमी जिन्हें अपना मानता है, जो परिचित लोग हैं अधिक से अधिक उन लोगों की मंगल कामना करता है,उनके लिए दुआओं का द्वार खुला रखता है, सब के लिए नहीं। उनके सुखी होने की कामना करता है।

हार्दिक शुभकामनाएँ

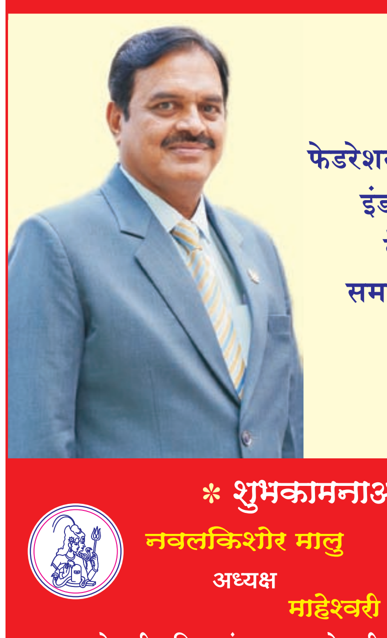

श्री रमेश चन्द्र लाहोटी
अध्यक्ष FKCCI

फेडरेशन ऑफ कर्नाटक चेंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के इतिहास में प्रथम माहेश्वरी के अध्यक्ष पद पर आसीन होने से समस्त माहेश्वरी समाज गौरवान्वित है।

इस उपलब्धि पर बहुत-बहुत बधाई एवं मंगल शुभकामनाएँ।

* शुभकामनाओं सहित *

नवलकिशोर मालु, अध्यक्ष
अजय राठी, सचिव
माहेश्वरी सभा

माहेश्वरी महिला संगठन * माहेश्वरी युवा संघ * माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट
माहेश्वरी फाउण्डेशन * माहेश्वरी सौहार्द क्रेडिट को-ऑपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड
कार्यसमिति सदस्यगण

सुलह के लिए अन्नाद्रमुक के शीर्ष नेतृत्व से बात कर रहे असम सीएम !

चेन्नई/दक्षिण भारत। भाजपा के उच्च पदस्थ सूत्रों के अनुसार, असम के मुख्यमंत्री और वरिष्ठ भाजपा नेता हिमंता बिस्वा सरमा अन्नाद्रमुक को एनडीए में फिर से शामिल करने के लिए मध्यस्थों के जरिए पार्टी के शीर्ष नेताओं से बातचीत कर रहे हैं। भाजपा के सूत्रों ने बताया कि केंद्रीय नेतृत्व तमिलनाडु में एक प्रमुख द्रविड़ ताकत अन्नाद्रमुक को बाहर करने के लिए राज्य नेतृत्व (अन्नामलाई) से पूरी तरह नाखुश है। भाजपा के उच्च पदस्थ सूत्रों के अनुसार, राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा के लिए एक प्रमुख संकटमोचक के रूप में तेजी से उभर रहे हिमंता को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अन्नाद्रमुक से समझौता करने का काम सौंपा है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, असम के मुख्यमंत्री ने भाजपा नेतृत्व के साथ बातचीत के लिए एडप्पादी के. पलानीस्वामी (ईपीएस) और एस.पी. वेलुमणि से बात करने के लिए कोयंबटूर के एक प्रभावशाली परिवार की सेवा ली है। हालांकि, यह देखना होगा कि अन्नाद्रमुक की मांग क्या होगी।

Printed & Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.)
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com